विश्व वाणी

समर्पण

Rs. 10/- | Vol. 36 - Issue 11 | November 2023

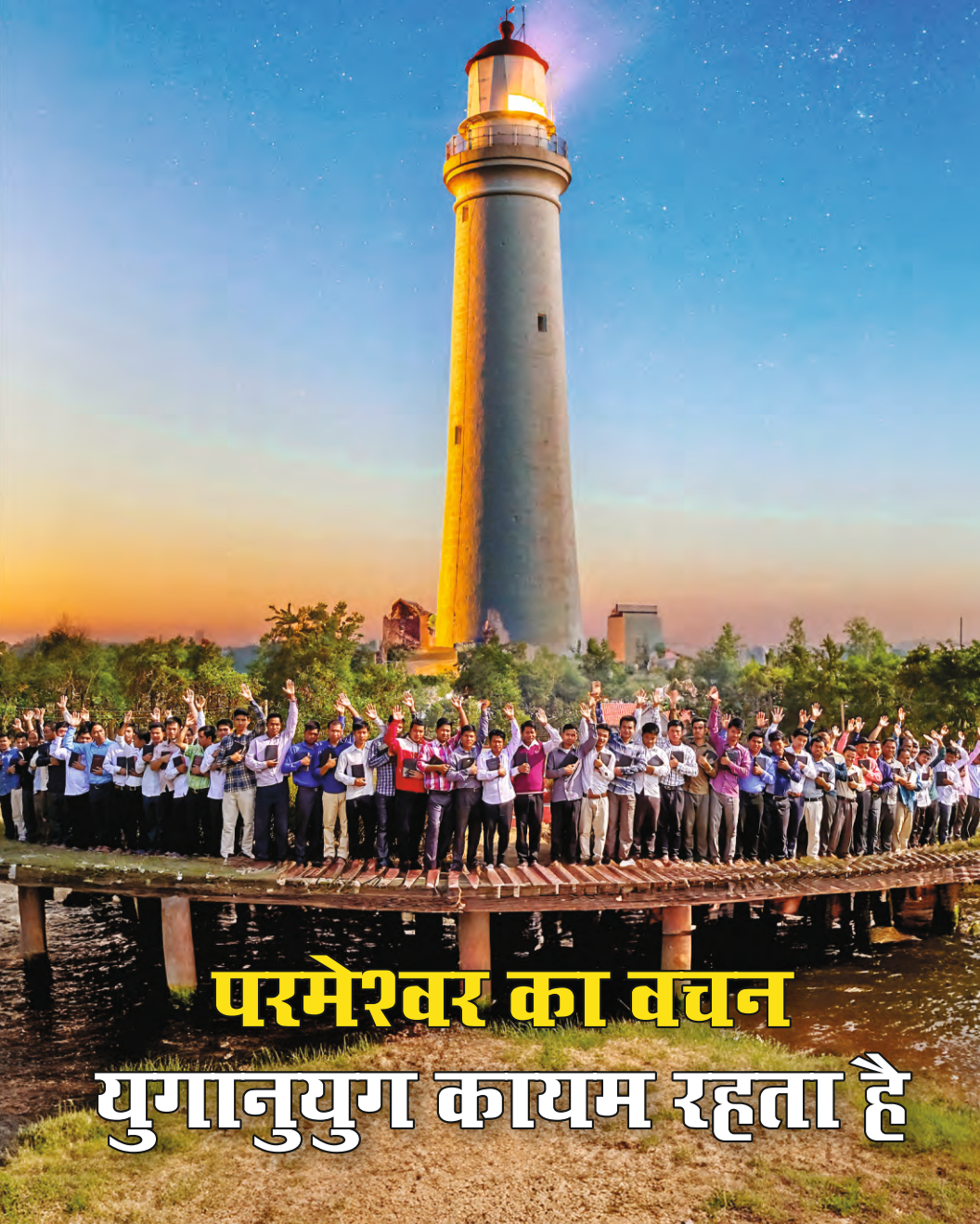

परमेश्वर का वचन
युगानुयुग कायम रहता है

प्रभु के लिए बहुत परिश्रम करना...

प्रार्थना का समय जो पूर्णकालिक कार्यकर्ता परमेश्वर के चरणों में व्यतीत हैं और सेवकाई की योजना है कि वे सम्पूर्ण हृदय से और एकजुट होकर कार्यक्षेत्रों को ढेर सारे फलों से भर दें। यह सबसे सफल तरीका है। हर प्रांत, राज्य और क्षेत्र में हर छह महीने में एक बार आयोजित होने वाले कार्यकर्ता नियोजन और मूल्यांकन शिविर विकास कार्यों के लिए सटीक, दृढ़ और स्पष्ट कार्ययोजना बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

अक्टूबर 2023 के पहले सप्ताह के दौरान, भारत में 9 केन्द्रों पर योजना और मूल्यांकन बैठकें आयोजित की गई। सेवकों के बीच मेलजोल मजबूत हुआ, उनका दृष्टिकोण स्पष्ट हो गया, कटनी के स्वामी को सारी महिमा, आदर और प्रशंसा दी गई। प्रभु उन सभी योजनाओं को सफलता प्रदान करें जो तैयार की गई थीं और जो प्रार्थनाएँ की गई थीं। लोग प्रभु को जानें सच्चे प्रभु को जानें।

विश्ववाणी समर्पण
NOV - 2023

उत्तर भारत कार्यालयः
एफ–11, प्रथम मंजिल, विश्वकर्मा कॉलोनी
एम.बी रोड, नई दिल्ली – 110044
फोनः 0129–4838657
ई–मेलः vvnorthindia@vishwavani.org

प्रकाशन कार्यालयः
1.10.28/247, आनंदपुरम, कुशाईगुड़ा
ई.सी.आई.एल पी.ओ., हैदराबाद – 500062
फोनः 040–27125557,
ई–मेलः samarpan@vishwavani.org

विश्ववाणी समर्पण पत्रिका हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगू, मराठी, गुजराती, उड़िया, बंगला, कोक बोरोक व सौरा भाषा में प्रकाशित होती है। वार्षिक शुल्क 100 रू. है।

विषय सूची

03 मनन के विषय
04 कार्यकारी निर्देशक...
08 अनंत जीवन को...
11 विशेष आकर्षण
18 नेटवर्क चेयरमैन...
20 बाइबल अध्ययन
22 प्रेयर नेटवर्क निर्देशक...
25 कार्यक्षेत्र के समाचार

मनन के विषय

➪मनुष्य की बातें हवा में उड़ती हैं
परमेश्वर का वचन सदैव कायम रहता है!

➪वचन पर दृढ़ रहें
दौड़ को अंत तक दौड़ें!

➪मजबूत शरीर लेकिन कमजोर
आत्मा–गोलियत
मजबूत शरीर और आत्मा–दाऊद

➪स्वर्ग की किताब पढ़े बिना
हमारा जीवन रोशन नहीं होगा
चाहे हम दुनिया भर की पुस्तकें पढ़ लें।

➪हमें हाथ में बाइबल चाहिए
ताकि बिना पैरों के थरथराए
अंत तक खड़े रह सकें
हमें मूँह में वचन की आवश्यकता है
ताकि अंत तक स्तिफनुस की तरह
खड़े रह सकें!

➪दुनिया की पुस्तकें डिग्री देती हैं
पवित्र बाइबल ताज का मुकुट देती है!

➪किसी ने भी तलवार से पूरी दुनिया
नहीं जीती
परन्तु कुछ ने वचन से संसार को
जीत लिया है!

➪जिनके हाथ में बाइबल और मूँह में
वचन हैं
उन्हें हारून की तरह कहा जाता है
अन्यथा उनके हाथ और मूँह खाली हैं!

➪परमेश्वर का वचन घुटने टेके बिना
नहीं समझा जा सकता
जब घुटनों पर, पवित्र आत्मा आपका
शिक्षक बन जाता है!

➪जब हमारे पैरों ने वचन की रोशनी देखी
हमारे पैर हिरण की तरह उछलेंगे!

कार्यकारी निर्देशक की ओर से पत्र...

उनके लिए जिनका जीवन परमेश्वर के वचन पर केंद्रित है

हम प्रभु यीशु मसीह के नाम पर उन सभी का स्वागत करते हैं जो प्रतिदिन प्रार्थना करते हैं, उदारतापूर्वक दान करते हैं और विश्ववाणी सेवकाई के लिए स्वेच्छा से काम करते हैं।

संसार की वस्तुएँ अस्थायी हैं:

प्रभु में अति प्रियों हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जो हरेक परिवर्तनशील हैं हमें कितनी बड़ी खुशी है कि हम उन वादों पर टिके रह सके जो परमेश्वर के वचन हैं क्योंकि वे कभी नहीं बदलते हैं!

संसार के लोग धन, पद और शक्ति पर भरोसा करते हैं जो नाशवान हैं और अंततः लज्जा का कारण बनते हैं। लेकिन परमेश्वर के जीवित वचन पर विश्वास हमें कभी शर्मिंदा नहीं करेगा, बल्कि धन्य आन्नद और महिमा के माध्यम से हमारा सम्मान करेगा (तीतुस 2:11–14)।

बाइबल यह स्पष्ट करती है कि दुष्ट और जो लोग परमेश्वर को भूल जाते हैं वे अंत मे नरक का भाग होंगे (भजन सं.9:17, मत्ती 10:28)। बाइबल यह भी कहती है कि जो लोग परमेश्वर के वचन को स्वीकार करते हैं और उसका निष्ठापूर्वक पालन करते हैं, उन्हें इस संसार में और आने वाले संसार में भी सौ गुणा प्रतिफल मिलेगा (भजन सं.34:10, 84:11)।

हमारा जीवन अल्पकालीक है और अटल/स्थिर नही है। बाइबल कहती है, यह उस छाया के समान के जो मिट जाती है और घास जो एक दिन में सूख जाती है। अय्यूब 25:6 में अय्यूब मानव जाति की तुलना कीड़े–मकोड़ों से करता है। प्रेरित पौलुस ने संसारिक जीवन की तुलना मिट्टी के बर्तन से की है जिसे आसानी से तोड़ा जा सकता है। उत्पति 3:19 कहता है कि हम मिट्टी हैं, और फिर एक दिन मिट्टी में मिल जायेंगे।

"परन्तु,प्रिय मित्रों, अपने परम पवित्र विश्वास में स्वयं को विकसित करके और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करके, अपने आप को परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखें क्योंकि आप अनन्त जीवन में लाने के लिए हमारे प्रभु यीशु मसीह की दया की प्रतीक्षा करते हैं। उन लोगों पर दया करो जो संदेह करते हैं, दूसरों को आग से झपटकर बचाओं, दूसरों पर दया दिखायें– मिश्रित दया दिखाओ यहाँ तक की भ्रष्ट शरीर के दाग वाले कपड़ों से भी घृणा करो"(यहूदा 20–23)।

स्वर्ग से संबंधित कार्य स्थायी हैं:

जब हम दुनिया में आए तो कुछ भी नहीं लाए। जब हम मरेंगे तो हम कभी भी कुछ भी साथ नहीं ले जाएँगे। लेकिन हम अपनी अर्जित "अमूल्य आत्माओं" के माध्यम से स्वर्ग में चमकते सितारे बनेंगे और उन्हें अनंत काल तक पहुँचाएंगे। बुद्धिमान इसे समझेंगे (दानि.12:3,10, नीतिवचन 11:30)।

मनुष्यों के वचन व्यर्थ हैं, और उनके काम व्यर्थ भूसे के समान हैं। परन्तु परमेश्वर का वचन आग और हथौड़े के समान है जो चट्टान को टुकड़ों में तोड़ देता है, यिर्मयाह 23:28,29 में कहता है। यशायाह 55:10–13 कहता है कि परमेश्वर का वचन सामर्थी है, और यह कभी भी व्यर्थ नहीं लौटेगा। यह उस कार्य को पूरा करेगा जिसके लिए इसे भेजा गया था और अच्छी कटनी देगा।

हमारे मिशनरी रमेश मरावी ने मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले के नेवसा मैदान में सुसमाचार का प्रचार किया। परिणामस्वरूप, 47 नये विश्वासी उनके विश्वास में मजबूत हुए हैं। प्रारंभिक चरणों के दौरान ग्राम नेताओं के विरोध के कारण विश्वासीयों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित कर दिया गया था। मिशनरी को गाँव में प्रवेश न करने की चेतावनी भी दी गई। लेकिन सुसमाचार की सामर्थ के कारण और निरंतर प्रार्थना के माध्यम से, सुसमाचार से निकलने वाली रोशनी गाँव को रोशन कर रही है। हाल्लेल्लूय्याह

आज हमारा मुख्य कर्तव्य है कि हम कभी न खत्म होने वाली राज्य में लोगों को जोड़ना है। एमिल अन्नन ने अपने एक गीत में कहा था कि बदलती दुनिया मे जो अंतिम बचत/स्थायी है वो आत्माएँ हैं। जब हम आँसुओं के साथ बोयेंगे तो आन्नद से कटनी काटेगें! हम बादलों को देखते रहें तो फसल को नहीं काट सकते। इसलिए आइए हम विश्वास और आशा के साथ खुद को कटनी के काम में शामिल करें। "क्योंकि तुमने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरने वाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है"। क्योंकि हर–एक प्राणी घास के समान है, और उसकी सारी शोभा घास के फूल के समान है। घास सूख जाती है, और फूल झड़ जाता है, परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है। और यही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था (1पत.1:23–25)। प्रार्थना करें और अनंत काल तक चलने वाली आत्माओं की कटाई के कार्य का समर्थन करें (लूका 5:5–11)।

सुसमाचार का कार्य जो फलता–फूलता है:

विश्ववाणी सेवकाई को 15 जुलाई 1987 को एक संस्था के रूप में पंजीकृत किया गया। यह उन गाँवों में क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार करता है जहाँ के लोगों ने एक बार भी सुसमाचार नहीं सुना है। इसे भारतीय कलीसियाओं का सहयोग प्राप्त है, और हम स्वैच्छिक स्वयं सेवकों की सहायता से दर्शन की ओर बढ़ रहें हैं।

प्रभु ने हमें भारत के 29 राज्यों में काम करने में सक्षम बनाया है। हम वर्तमान में 10,391 गाँवों में 337 भाषा–भाषी समूह के लोगों के मध्य सेवकाई कर रहे हैं। प्रभु ने, 1985 सेवकाई क्षेत्रों की स्थापना की है, 3262 आराधना समूहों का गठन किया है। 7715 बाइबल अध्ययन समूह प्रत्येक सेवारत गाँव में संचालित किए जाते हैं और नए मिशनरियों और आने वाले भावी अगुवों को 40 प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षित किया जाता है। प्रभु की महिमा हो।

222 जिलों में 2141 मिशनरी और उनके परिवार और 422 व्यक्ति विभिन्न स्तरों पर काम कर रहे हैं। हमारे पास 1339 क्षेत्रों में स्थायी आराधना भवन और 188 अस्थायी आराधना भवन हैं। 129 आराधना केन्द्र अभी निर्माणाधीन हैं। पिछले 6 महीनों के दौरान 3852 लोगों ने यीशु में अपने विश्वास को स्वीकार किया। परमेश्वर की महिमा हो।

28 नये एज्रा, यानी छत्तीसगढ़ से 17, झारखण्ड से 9 और उत्तर प्रदेश से 2 को झारखण्ड के नवाटोली प्रशिक्षण केन्द्र में पूर्णकालिक सेवकाई के लिए प्रशिक्षिति किया जा रहा है। हमें सेवकाई में ऐसे सेवा सहयोगियों की आवश्यकता है जो प्रार्थना के साथ 4000 रूपये मासिक सहायता देकर उन गाँवों को सहयोग कर सकते हैं जहाँ वे सेवकाई प्रारम्भ करने जा रहे हैं। कृप्या ऐसे विश्वासियों को परिचय करायें जो एक परिवार के रूप में सेवकाई का सहयोग करेंगे।

वित्तीय वर्ष के दूसरे चरण के लिए योजना एवं मूल्यांकन बैठक:

प्रभु की असीम अनुग्रह और कृपा से हम वित्तिय वर्ष के दूसरे चरण (अक्टूबर 2023 से मार्च 2024) के लिए 2 से 7 अक्टूबर तक विभिन्न प्रांतों में मूल्यांकन और योजना बैठक आयोजित करने में सक्षम हुए। हम प्रार्थना करने, सेवकाई की समीक्षा करने और एक साथ योजना बनाने में सक्षम थे। हमें इस वित्तिय वर्ष में सेवकाई को पूरा करने के लिए 100 करोड़ रूपये की आवश्यकता है। पिता परमेश्वर उदारता पूर्वक हमारे सेवकाई की आवश्यकतों को पूरा कर रहे हैं। सारी महिमा और आदर उसी की हो।

पूर्णकालिक सेवकों के लिए क्रिसमस उपहारः

हम उन सेवकों को क्रिसमस उपहार देने की तैयारी कर रहे हैं जो पूरे वर्ष कठिन परिश्रम करते हैं। हमारा प्रभु अच्छी तरह से जानते हैं कि सभी वित्तीय परेशानियों के मध्य सेवकागण आपके हृदय के करीब हैं। हम भी आन्नद पूर्वक इसके आनन्द के गवाह बन सकते हैं। इस बार भी जब हमारे प्रतिनिधि और विकास कार्यकर्ता आपके घर आयें तो कृपया आप अपनी योगदान को दुगुणा करके दें और उसकी रसीद भी प्राप्त कर लें। दो और प्रभु तुम्हें बहुतायत के साथ उदारता पूर्वक देगा।

राज्य एवं क्षेत्रीय शिविरः

दक्षिण और मध्य तमिलनाडु राज्य शिविर 13 से 15 अक्टूबर तक कोर्टलम में आयोजित किया गया था। इस शिविर में 20 जिलों के लगभग 965 विश्वासियों ने इसमें भाग लिया। विश्वासियों ने परमेश्वर के वचन के प्रकाशन से अपने जीवन जीने की तरीकों की समीक्षा की, और वे बड़े बोझ के साथ अपने घर इस दर्शन के साथ पहुँचें की हमें उन गाँवों में भी सुसमाचार फैलाना है जहाँ अभी तक सुसमाचार नही पहुँचा है और जहाँ अँधेरा है। मैं रेव्ह.ए.विल्सन जोसेफ, शिविर संयोजक और जिला के सेवकाई विकास दल के सदस्यों और सहकर्मियों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

उत्तर भारत सम्मेलन 22 से 24 अक्टूबर तक ध्याना निलायम, हैदराबाद में और ओडिशा राज्य शिविर 23 से 25 अक्टूबर तक तिरूवल्ला, केरल में आयोजित किया जाएगा। महाराष्ट्र राज्य शिविर 10 से 12 नवंबर तक कोर्टालम में आयोजित किया जाएगा।

14 से 16 जनवरी 2024 को पश्चिम तमिलनाडु शिविर और उत्तरी तमिलनाडु शिविर 26 से 28 जनवरी 2024 तक आयोजित किया जाएगा। हम अभी से इसके लिए तैयारी कर रहे हैं। कृपया इसके लिए अवश्य प्रार्थना करें।

क्षेत्रों में तत्काल आवश्यकताएँः

हम आपसे सहृदय दान और प्रार्थना का अनुरोध करते हैं उन सेवकाईयों के लिए जो वर्त्तमान वित्तीय वर्ष में 6000 अपहुँच दुर्गम गाँवों में शुरूआत किए जाने हैं। कार्यक्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कृपया आगे आयेंः

1. 159 दोपहिया वाहनों की आवश्यकता (एक कीमत 90,000 रूपये)
2. 239 साइकिलों की जरूरत (एक की कीमत 6500 रूपये)
3. 12 कंम्पयुटर और प्रिंटर मशीन की जरूरत है (एक की कीमत 45,000 रूपये है)
4. 5 चार पहिया वाहनों की आवश्यकता है (एक की कीमत 12,00,000 है)

यदि प्रभु आपके हृदय पर बोझ डालता है, तो कृपया हमसे संपर्क करें ताकि हम तीव्र गति से अपने दर्शन तक पहुँच सकें।

बचत बॉक्स और गाँव गोद लेने का आग्रहः

यदि आपका बचत बॉक्स पिछले 6 महीनों से एकत्र नहीं किया गया है तो कृपया हमें अवश्य सूचित करें। हम आपको उन सेवकाई गाँवों को गोद/अपनाने के लिए आमंत्रित करते हैं, जहाँ मिशनरी/सेवकगण सुसमाचार पहुँचा रहे हैं। कृपया 4000 रूपये की मासिक सहायता राशि देकर कार्यरत गाँव को सहयोग करें।

सेवकाई की आवश्यकताओं को प्रार्थना समूह के साथ बाँटें और उन्हें गाँव में सेवारत मिशनरियों का सहयोग करने का आग्रह करें। आइए एकजुटता के साथ परमेश्वर के राज्य की स्थापना करें।

हमें आपकी प्रार्थना और प्रेमपूर्ण दान सहयोग स्मरण है। प्रभु आपको बहुतायत की आशीष दें।

देखो, प्रभु यहोवा सामर्थ्य दिखाता हुआ आ रहा है, वह अपने भुजबल से प्रभुता करेंगा, देखो, जो मजदूरी देने की है वह उसके पास है और जो बदला देने का है वह उसके हाथ में है। (यशायाह 40:10)

चैन्नई –53
15.10.2023

प्रभु की सेवकाई में आपका भाई
रेव्ह. डब्ल्यू. विल्सन ग्नानाकुमार

सामर्थ परमेश्वर की है...

रेखालगेरे कार्यक्षेत्र के नीचे चट्टाने हैं। निंगराज और देवराज भाई हैं और उन्होंने बोरवेल बोरिंग के जरिए पानी लाने की 11 बार कोशिश की। पानी के निरंतर प्रवाह के लिए उन्हें 600 फीट से ऊपर गहराई में जाने की जरूरत है।

निंगराज के पास जमीन तो थी लेकिन पानी नहीं था। जैसे–जैसे दिन बीतते गए चिंता ने उन्हें बिस्तर पर लेटा दिया। उनके पड़ोसियों ने उसे सलाह दी और कहा कि एक मिशनरी है जिसके पास यीशु के वचनों की सामथ है। उनके सलाह के अनुसार, मिशनरी मनोज को आमंत्रित किया गया था। प्रत्येक शुक्रवार को निंगराज के घर पर उपवास प्रार्थना सभाएँ चलती रही। यह 5वां शुक्रवार था जो कि उन्होंने प्रार्थना जारी रखा और भाई निंगराज के सूखे पैर विश्वास में मजबूत हो गए। अब भाई निंगराज और देवराज पूरे परिवार सहित मजबूत विश्वासी बन गए हैं।

निंगराज ने विश्वास करके 26.09.2023 को मिशनरी को अपने घर पर आमंत्रित किया और घोषणा की कि यीशु के सामर्थ के द्वारा जिसने उसने चलने के लिए प्रेरित किया वह महान है और वह उसकी भूमि से पानी की झरनों को प्रवाहित कर सकता है। उसने मिशनरी से प्रार्थना करने को कहा और बोरवेल काम शुरू कर दिया। हमारे परमेश्वर ने मरूस्थल में जल बनाया है और चट्टानों से जल के सोते बनाये और अपनी महिमा प्रगट की! इन दोनों भाईयों के द्वारा और रेखालगेरे कार्य क्षेत्र में जो चमत्कार के काम किए गए थे, उससे परमेश्वर के नाम की महिमा हुई और लगातार इस क्षेत्र में विश्वासियों की संख्या बढ़ रही है। हाल्लेय्याह – *बद्रीनाथ, समन्वयक।*

अनंत जीवन को थामे रखें

प्रभु में प्रियों,

मैं सोचता हूँ कि कभी–2 हम लोग इस वर्तमान संसार में कितनी मेहनत करते हैं, इससे कितना लगाव रखते हैं, यहाँ पर कितना जोड़ते हैं, सुन्दर सुन्दर इमारतें खड़ी करते हैं चूँकि महानगर में रहता हूँ तो देखता हूँ हर वर्ष भव्य व ऊँची –ऊँची रहने की गगन चुम्बी इमारतें खड़ी हो रही हैं। विकसित देशों में तो अधिकांश कार्य अपने आप होते हैं। कर्मचारी कम तकनीकी रूप से ज्यादा कार्य होता है, मनुष्य जिसे परमेश्वर ने अपने स्वरूप व समानता में बनाया था वह कहाँ से कहाँ पहुँच गया है, किन्तु यदि मनुष्य वास्तविकता को पहचाने और आत्मिक नजरिये से सोचे तो जैसा सभोपदेशक का लेखक बार बार अपनी पुस्तक में लिखता है कि सब कुछ व्यर्थ है 12:8 हकीकत में इब्राहीम के समान ऐसे भी प्रभु के चुने हुए लोग हुये जिन्हें संसार मात्र एक परदेश लगा, बाइबल कहती है कि वह उस स्थिर नगर की बाट जोहता था, जिसका रचने वाला स्वयं परमेश्वर है, जीहाँ प्रियों एक दिन वचन के अनुसार " परमेश्वर इन्हें चादर के समान लपटेगा और वे वस्त्र के समान बदल जायेगें, पर तू वही है, तेरे वर्षों का अन्त न होगा" (इब्रानियों 1:12) ध्यान दीजिए चादर कब उठाकर लपेटी जाती है,? जब वह पुरानी हो जाती है, जब उसकी आवश्यकता नहीं दिखती है, जब उसका समय पूरा हो जाता है, तो हाँ प्रियों तो यह वर्तमान विशाल व भव्य संसार भी इसी तरह जाता रहेगा।

इस माह का यह अंक **"प्रभु का वचन युगानुयुग कायम रहता है"** इस विषय के साथ आप तक पहुँच रहा है, स्मरण रहें पवित्र शास्त्र मात्र शब्द नहीं है, बल्कि प्रभु का जीवित व प्रबल वचन है, जब प्रभु को प्राप्त करते हैं तो पवित्र आत्मा की सहायता से इसे समझना व प्राप्त करना है, वचन कहता है " और तुम्हारे मन की आँखें ज्योर्तिमय हो, कि तुम जान लो कि उसकी बुलाहट की आशा क्या है, और पवित्र

लोंगो में उसकी मीरास की महिमा का धन कैसा है, और उसकी सामर्थ हम में जो विश्वास करते हैं, कितनी महान है, " (इफिसियों1:18–19) जीहाँ कल ही कुछ प्रभु के जन मुझ से मिलने आए और मैं यकीनन कहता हूँ कि एक भाई की गवाही व उसकी सेवा के विषय सुनकर मैं बहुत आनन्दित हो गया, मैंने उसे आत्मिक धन व मीरास से भरपूर पाया, प्रभु करे कि उसके लोग सदैव जीवित आशा में आनन्दित रहे, प्रियों जब हम उसके वचनों में जाते हैं तो वह अपने आत्मिक भेदों को परत दर परत खोलता जाता है। पतरस अपनी पहली पत्री में लिखता है "प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है" (1पतरस 1:25)। फिर इसे अविनाशी बीज व परमेश्वर का जीविता वचन, व सदा ठहरने वाला वचन रहता है, जिससे तुमने नया जन्म पाया है, (1पतरस 1:23), जीहाँ तो यदि तुलनात्मक रूप से देखें जो जहाँ एक तरफ यह संसार जाता रहेगा, चादर के जैसे लपेटा जाएगा, व वस्त्र के समान बदल जायेंगे, तो वहीं दूसरी तरफ प्रभु के वचन सदा सर्वदा तक अर्थात् युगानुयुग तक बने रहेंगे, जहाँ संसार नाशवान है, तो वहीं प्रभु का वचन अविनाशी है, तो प्रियों हमें किसको अहमियत देनी चाहिए। उदाहरण के लिये जब हम कोई चीज खरीदने बाजार में जाते हैं तो किसे तबजो देते हैं? कच्चे समान को या पक्के समान को? उस कपड़े को जिसका एक पानी में रंग निकल जाए या उस कपड़े को जो टिकाऊ हो? प्रियों जब हम वचन की बात करते हैं, जीवन की, अनन्तकाल की व युगानुयुग की बात करते हैं तो प्रभु यीशु को पाना ही अनन्त जीवन को पाना है, उनमें बढ़ना व चलना ही आत्मिक वृद्धि है।

पौलूस अपने जवान सहकर्मी तिमोथियुस को प्रोत्साहित करता है "अनन्त जीवन को धर ले, जिसके लिये तू बुलाया गया है।" (1तिमो. 6:12) स्मरण रहे कि तिमोथियुस जब कि खुद भी एक सेवक है, पौलूस जैसा प्रेरित के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया हुआ है, उस को भी पौलूस ने ऐसी चेतावनी क्यों दी? या ऐसी क्या आवश्यकता पड़ गई? जीहाँ, हमें प्रभु के वचनों को गंभीरता से लेना चाहिए, शैतान का सबसे बड़ा प्रयास यही रहता है कि कैसे प्रभु के लोगों को आदम के समान बहकाये व उन्हें

अनन्त जीवन से दूर ले जाएँ, जैसा वह आदम को अदन की बाटिका से बाहर ले जाकर मृत्यू के अधीन ले गया, ठीक उसी प्रकार वह भिन्न भिन्न युक्तियों द्वारा विश्वासियों पर, परिवारों पर, व कलीसियाओं पर प्रहार करता है। किन्तु प्रभु का धन्यवाद हो उन्होंने उसे कलवरी क्रूस पर पराजित करके सर्वदा के लिये लज्जित किया है, थोड़ा समय उसका बाकी है, इसलिये हम सावधान रहें इस अच्छी धरोहर की रखवाली करें। (2तिमों. 1:14) मैंने प्रारम्भ किया अब्राहम के द्वारा कैसे उसकी नजर उस नगर की ओर लगी रही, जिसका रचने व बनाने वाला परमेश्वर है, आगे मूसा के विषय लिखता है कि" उस मसीह के कारण निन्दित होने को मिस्त्र के भंडार से बड़ा धन समझा, क्योंकि उसकी आँखें फल पाने की ओर लगी थी।" (इब्रानियों 11:26) प्रियों आज हमारी आँखें कहाँ लगी है? प्रभु आपको ऐसा अनुग्रह रूपी धन से परिपूर्ण करे कि स्वर्गीय मीरास व धन को प्राप्त करते हुए, प्रभु के द्वितीय आगमन के लिये तैयार रहें। प्रभु के वायदों में स्थिर रह कर अनन्त जीवन को थामे रखें। प्रभु आपको आशीष दे। आमीन्!

नई दिल्ली
20.10.2023

प्रभु में आपका भाई
आनन्द सिंह

क्रिसमस उपहार देने के लिए तैयार हो जाइए
उन पूर्णकालिन क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के लिए जो मसीह के प्रेम की घोषणा करते हैं

हम आपसे विनम्रता पूर्वक अनुरोध करते हैं की इस महीने गाँव सेवकाई के लिए अपने मासिक योगदान को दोगुना करके इस आवश्यकता को पूरा करें। कृपया अपने स्थानीय डेवलपमेंट कार्यकर्ता या स्थानीय प्रतिनिधि से भुगतान करें और उसकी रसीद प्राप्त करें।

2023 के राष्ट्रीय शिविर के बाद, चार राज्य स्तरीय शिविर आयोजित किये गए। महाराष्ट्र, ओडिशा और उत्तर भारतीय राज्यों में शिविरों का आयोजन अभी बाकी है। "है यीशु, अपने कार्य के लिये हजारों स्वैच्छिक प्रतिनिधियों को एकत्रित करे।"

जो व्यक्ति, परिवार, सेवकाई और कलीसिया परमेश्वर के वचन पर खड़े हैं वे युगानुयुग कायम रहेंगे!

प्रियों,
परमेश्वर ने मनुष्य को उसमें बने रहने के लिए अपने स्वरूप में बनाया है!
इसलिए कि वह भलाई को छोड़कर बुराई की ओर अग्रसर हुआ, तो वह पापी बन गया
मनुष्य भलाई और समृद्धि में बने रहने में असमर्थ है।
एक ओर मनुष्य भय, आतंक और मृत्यु से घिरा हुआ है।
दूसरी ओर मृत्यु के बाद
मनुष्य को बड़ा कष्ट और असहनीय दुःख होता है।
इन दोनों स्थितियों से मनुष्य की रक्षा करने
में यीशु मसीह स्वर्ग से सहायक है!
मसीह का क्रूस ही अनन्त जीवन का एकमात्र मार्ग है!

जिनको ये अवसर मिला है
जो लोग क्रूस के चरणों में आ गए हैं,
जिन्होंने यीशु को देखा है
जो यीशु के लहू से शुद्ध किए गए हैं
वे वचन में दृढ़ बने रहें!
हमें अंत तक डटे रहना है और फलना–फूलना है।
फलने–फूलने और समृद्ध होने का क्या अर्थ है?
इसका अर्थ है यीशु में दृढ़ बने रहना!
यीशु में दृढ़ रहने का क्या तात्पर्य है?
इसका अर्थ है दिन–रात वचन पर दृढ़ बने रहना

और पवित्र बाइबल पर मनन करना!
यद्यपि हम संसार में शरीर में होकर रहते हैं
आत्मिक रूप से जीने का केवल एक ही तरीका है
अर्थात वचन के अनुसार जीना!
ऐसे लोग
संसार, शरीर, शैतान, दुष्ट और बुरे मनुष्यों से हिलाये नहीं जा सकते!
आकाश और पृथ्वी नष्ट हो सकते हैं!
उसी प्रकार
संसार की अभिलाषायें और वासनाएँ नष्ट हो जायेंगी,
दुष्टों और दुष्टता का नाश हो जायेगा!
परन्तु जो परमेश्वर के वचन पर दृढ़ बने रहते हैं
वे हमेशा स्थिर रहेंगे!

जी, हाँ
धन्य हैं वे ईमानदार जो परमेश्वर के वचन के अनुसार चलते हैं!
हालांकि वे साधारण लोग हैं
किन्तु उनके पास परमेश्वर की असाधारण सामर्थ्य है!
प्रेरितों के कार्य का अर्थ है
पवित्र आत्मा के कार्य!
पवित्र आत्मा के कार्य है
लोगों का यीशु और उसके वचन की ओर अगुवाई करना
पवित्र आत्मा का कार्य है!
इसलिए, जो लोग वचन में दृढ़ खड़ें हैं
विरोधों को वे प्रारम्भिक प्रयास के रूप में बदल देंगे!
वे कष्टों में भी आन्नद मनाएँगे!
प्रियों,
मत्ती 1:21 उसका नाम यीशु मसीह है,
प्रकाशितवाक्य 19:13 उसका नाम परमेश्वर का वचन है!
जो लोग यीशु के साथ जुड़ गए हैं वे परमेश्वर के वचन के साथ जुड़ गए हैं।
ओडिशा के विश्वासी इसका उदाहरण हैं!

उन दिनों ओडिशा राज्य में,
विशेषकर कंधमाल जिले में जिसे पहले फुलबानी कहा जाता था

आराधना भवनों का विनाश, कार्यकर्ताओं और विश्वासियों को उत्पीड़ित करना
उनके विश्वास को समाप्त करने के लिए उठाए गए कदम,
इन्हें न केवल भारतीयों और दुनिया को लोगों ने देखा
परन्तु स्वर्ग से धर्मी न्यायाधीश द्वारा भी देखा गया!
ओडिशा के लिए मेरी केवल दो प्रार्थनाएँ हैं।
एक – सबके मध्य शांति (एकता) उत्पन्न करना
दो – विश्वासियों के मध्य में मसीह का सम्मान किया जाना चाहिए।

प्रियों
व्यक्ति, परिवार और कलीसियाएं जो वचन में खड़े हैं
वे तब भी मंद या लुफ्त नहीं होंगी
चाहे पृथ्वी कांप उठे और गहिरा सागर ऊपर उठ जाए।
वे सदैव उसकी स्तुति करते हैं,
वे खड़े रहेंगे और फलेंगे–फूलेंगे!
मैंने देखा है
जिन लोगों ने अपने घर, सामान, पोशाकें
बच्चों की किताबें, बाइबल खो दी हैं
वे कई दिनों तक वे लोग जंगलों में छुपे रहे
मीलों तक चलें और भटकते रहे थे।
विषेशकर मेरी मुलाकात एक युवा लड़के (तुकना नायक–उम्र 14वर्ष) से हुई।
वह उन परिवारों में से एक था जो सुसमाचार के माध्यम से मसीह के प्रकाश में आया।
जो 23 अगस्त 2008 से विश्ववाणी कार्यालय में रहा।
वह उन 27 शरणार्थियों में से एक था जो विश्ववाणी कार्यालय में रूके थे।
भुवनेश्वर में विश्ववाणी कार्यालय में
मैंने उसके, उसकी माँ और तीन बहनों के लिए प्रार्थना की!
परमेश्वर के वचन में उनकी दृढ़ता है।
वे वचन के इतने दृढ़ हैं,
वे यीशु में इतने दृढ़ हैं!
वे यीशु में कितने स्थिर हैं,

बुराई के खिलाफ खड़े होने की उतनी ही ताकत है
उत्पति की पुस्तक
यह कहते हुए प्रारंभ होती है कि इस संसार में भला और बुरा दोनों हैं (उत्पति 2:17)।
परमेश्वर ही सत्य है,
सत्य को मारना ही बुराई है!
अच्छाई कभी भी दूसरे जीवित व्यक्ति को नहीं मारती,
परन्तु बुराई मनुष्य के जीवन को पी जाती है!
भलाई दूसरों को जीवित रखना पंसद करती है,
किन्तु बुराई अन्य प्राणियों को सहन नहीं कर सकती!
भलाई पूरे हृदय से विश्वास करती है,
बुराई सदैव विश्वास को नकारती है!
लेकिन भलाई की ही जीत होगी,
और सत्य की विजय होती है!
बुराई भलाई को नहीं जीत सकती!
प्रभु यीशु मसीह की क्या अपेक्षा है?
इस संसार में कौन भला करता हुआ चल रहा था?
सभी कार्यकर्ताओं और विश्वासियों को वचन पर कायम रहना चाहिए!
तब वे भलाई और सच्चाई में खड़े हो सकते हैं
वे परेशानियों के बीच भी फलते–फूलते हैं और आन्नद का अनुभव करते हैं!
वे उत्पीड़न के बीच भी कलीसियाओं को बढ़ते हुए देखेंगे।

इसलिए प्रियों,
यदि इस दुनिया में और उसके बाद की दुनिया में भी
मुझे आपको, कार्यकर्ताओं और कलीसियाओं को मजबूती से खड़ा रहना है
तो फिर हमें सत्य पर स्थिर रहना होगा।
यीशु मसीह ही सत्य है!
उस पर दृढ़ रहने के लिए परमेश्वर के वचन में खड़े रहें!
अगर हम दृढ़ रहेंगे तो हम जहाँ भी जाएंगे विजय का अनुभव करेंगे!
हम सभी परिस्थितियों में जीत का अनुभव करेंग!
हम सदैव फलते–फूलते रहेंगे, प्रभु की स्तुति हो! ■

प्रार्थना

प्रभु यीशु मसीह के नाम से,
किसने कहा, "मैं इस पर अपनी कलीसिया बनाऊँगा
और उस पर अधोलोक के फाटक प्रबल न होंगे"।
हे पवित्र पिता, हम सभी कलीसियाओं और
विश्वासियों के लिए, विश्व के लिए, भारत के लिए
आपके पवित्र और धर्मी चेहरे की ओर निहारते हैं!
उबलती ईर्ष्या से, अनावश्यक दोषारोपण से,
सुनियोजित जाल और धार्मिक उत्साह
कृप्या अपनी कलीसिया की रक्षा करें!
दाऊद को वह सब कुछ वापस मिल गया
जो उसने खोया था।
भारत के विश्वासियों और हमारे राष्ट्र के लोगों के बीच
हम भी अपने जीवनों में इसे साबित करें।
वचन में उनका विश्वास मजबूत हो!
उनके द्वारा
कलीसियाओं की संख्या
30,60, और 100 गुणा हो जाए!
यीशु के महिमामय नाम में
जे बिना जाति, धर्म, भाषा और
रंग भेदभाव के
सबको आशीषित करता है।

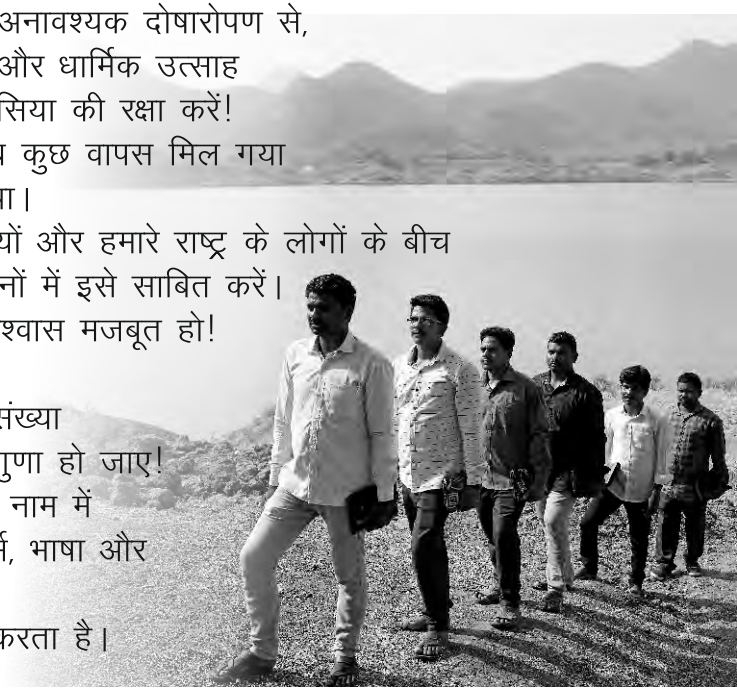

समर्पण पत्रिका की सदस्यता भेजने हेतु बैंक विवरण

A/C Name: **VISHWA VANI SAMARPAN** Branch: **ANNANAGAR WEST, CHENNAI**
Bank: **STATE BANK OF INDIA** Branch Code: **03870**
A/C No.: **1040 845 3024**
IFSC Code: **SBIN0003870**

सम्पर्क के लिए: 044–268692000

वर्ष 2023 में अब तक 82 नये आराधना भवनों को प्रभु के लिए समर्पित कर चुकें हैं।
कार्यक्षेत्रों में अभी 129 आराधना भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
"सर्वशक्तिमान परमेश्वर, हम 2030 तक एक लाख गाँवों को देखने में सक्षम हो सकें"।

यीशु ने दोगुणा आशीष दी

मेरी पत्नी और मेरे दो बच्चे तथा मेरे माता–पिता बहुत परेशान थे क्योंकि दुष्ट आत्माएँ मेरा पीछा कर रही थीं, मैं दुष्ट आत्माओं के कारण आधी रात को चिल्लाता था और जंगल में भाग जाता था। मैं सारा पैसा और अन्य चिजें जो मेरी पहुँच में थी, ले जाता था और वापस खाली हाथ लौट आता था। मेरे परिवार ने शांति और पैसा दोनों को खो दिया था। वे गरीबी में जी रहे थे। महारदार के ग्रामीणों ने हमें यीशु के बारे में बताया कि यीशु के पास सारी समस्याओं का समाधना है। हम प्रार्थना के समय एक परिवार के पास एकत्र हुए। उस जगह हम यीशु की सामर्थ को महसूस करने में सक्षम थे। उसने मुझे फिर से सामान्य स्थिति में लौटा दिया, जिसका इंतजार मेरे परिवारजनों को पिछले कुछ सालों से था। प्रभु यीशु मसीह ने मुझे फिर से अपनी खोयी चिजों को वापस पाने में सक्षम बनाया। आज यीशु मेरे हृदय में हैं। वह मेरे घर का मुखिया भी है! हाल्लेल्य्याह

– दशरथ भाई पिपले, गुजरात।

परमेश्वर का जीवित वचन मेरे जीवन के लिए एक टॉनिक है

कई लोगों को मुझ पर दया आती थी क्योंकि वे मुझे घिचापानी गाँव में सड़क किनारे घावों और खून से लथपथ देखते थे। मैं लगातार नशे का आदी था इसलिए स्थिर नहीं रह सका और चोट लग गई! मेरा एक परिवार है, जिनके साथ मैंने बहुत कम समय बिताया है! हाँलाकि शराब की लत से छुटकारे के लिए नशामुक्ति केन्द्र का सहारा लिया लेकिन यह भी व्यर्थ था!

मेरे घर के पास हर सप्ताह एक छोटा समूह इकट्ठा होता था। वे गाँव वालों की भलाई के लिए उपवास प्रार्थना के लिये एकत्रित होते थे। मैं भी उस प्रार्थना में शामिल हुआ। मैंने यीशु से प्रार्थना की कि मैं अपने आप को नियंत्रित करने में असमर्थ हूँ। यीशु ने मेरी पुकार को सुना। उसने परमेश्वर के वचन के माध्यम से मेरी सारी चिंता को दूर कर दिया और मुझे नशे से छुटकारा दिया! यीशु मसीह भला है क्योंकि उसने मुझे बहुत खुशी/आन्नद दिया है और रहने के लिए एक परिवार दिया है। वह उन सभी लोगों के जीवन के लिए एक टॉनिक है जो उसकी ओर देखते हैं और उसकी उपस्थिति की तलाश करते हैं!

– घुरसाय केरकेट्टा, छत्तीसगढ़।

मणिपुर में आँसुओं की घाटी पार कर रहे विश्वासियों के पुनर्वास के लिए दो बार राहत सहायता प्रदान की गई, 6 क्षतिग्रस्त आराधना भवनों का पुननिर्माण और ध्वस्त गाँवों का पुननिर्माण समय की मांग है।

"यीशु, हमारे राजा, उन आराधना भवनों को मजबूत करें जो मसीह की देह का निर्माण करते हैं"।

परमेश्वर के वचन में आनन्द...

मैं पिछले तीन सालों से आँसू बहा रहा था। मेरे पति बहुत प्रेम करने वाले व्यक्ति हैं। चूंकि वह शराब का आदी थे, इसलिए मेरे साथ शारीरिक दुर्व्यव्हार किया गया और मैं मानसिक तनाव में थी। एक रात मैं अपने पति के अत्याचारों से बचने के लिए मैंने अपने पड़ोसी के घर में शरण ली। मैने महिलाओं का एक समूह देखा जो वहाँ एकत्र थे और उनके चेहरों पर खुशी थी। उनके हाथों में मेगावॉयस था। उन्होंने कहा यह बाइबल अध्ययन केन्द्र है और वे परमेश्वर के वचन को सुन और बाँट रहे थे। मैं अपनी दर्द को भूल गई और अपने पति के प्रति विश्वास के साथ घुटनों के बल बैठ गई। यीशु ने अपनी करूणा से मेरी दयनीय स्थिति को देखा। उसने मेरे आँसुओं को आन्नद में बदल दिया। उन्होंने मेरे पति को उद्धार का पात्र बना दिया। अब हम दोनों यह स्वीकार करने में सक्षम थे कि "मैं और मेरा घराना प्रभु की सेवा करेंगे"। हमने अपना शेष जीवन यीशु को समर्पित कर दिया, जिसने हमें मुक्ति के आन्नद को अनुभव करने के लिए सशक्त रूप से प्रेरित किया है।

– अलीशा मिंज, जशपुर

प्रभु ने मुझे बुद्धि दी

मैं कभी स्कूल नहीं गया, मैं कभी पढ़ना–लिखना नहीं जानता था। मैं कुरूख/उराँव लोगों के समूह के बीच खरदोड़ी गाँव में रहता हूँ। मुझे अपनी भाषा में परमेश्वर का वचन सुनने का सौभाग्य मिला। मेगावॉयस ने मुझे समय–समय पर जब भी मैं परमेश्वर का वचन सुनना चाहता था, सुनने में सक्षम बनाया। एक दिन मैंने अपने मित्रों के साथ पहाड़ी उपदेश सुना। मैंने अपने जीवन के 50 वर्षों में ये शब्द कभी नहीं सुनें! वे अद्भूत वचन थे जिन्होंने मेरे जीवन में रोशनी ला दी! ये बातें मेरे परिवार तक पहुँची। इसने जीवन का अर्थ जानने का मार्ग प्रशस्त किया! यीशु ने मुझे उन जीवित वचनों को साझा करने के लिए एक शिक्षक बनाया जो मैंने सुने और समझे। मैं उस दिन की कामना करता हूँ जब मेरे कुरूख/उराँव लोगों का उद्धार होगा और मैं इसके लिए प्रतिदिन प्रार्थना करता हूँ।

– विश्वासी, महादेव तिग्गा, छत्तीसगढ़

नये कार्य क्षेत्र सर्वे के दौरान मिले 10 नये जिलों में सेवकाई प्रारम्भ हो चुकी है और अच्छी कटनी काट रहे हैं। प्रभ को धन्यवाद!
"प्रेमी पिता, उन दुर्गम क्षेत्रों को आशीषों का केन्द्र बना दें"।

नेटवर्क चेयरमैन की ओर से...

मसीह के अतिप्रिय संतान जो सुसमाचार के कार्य में चिंताशील हैं,

प्रभु यीशु मसीह और पिता परमेश्वर के नाम पर आपको नमस्कार।

हम टेलीविजन पर युद्ध की खबरें सुन–सुनकर कांप रहे हैं। यह हमें स्मरण दिलाता है कि हमारे हृदयों में परमेश्वर का जीवित वचन है जो कहता है, "और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा। (मत्ती 24:14) हम इसी तत्परता के साथ हम गाँवों में सुसमाचार का प्रचार करते हैं। हम आपकी प्रार्थनाओं और सेवकाई में सहयोग के लिए प्रभु की स्तुति करते हैं।

विश्ववाणी सेवकाई 29 राज्यों/केंन्द्र शासित प्रदेशों में संचालित हैं। इनमें तमिलनाडु और केरल दोनों राज्य विकास कार्यों में शामिल हैं। इन दोनों राज्यों के कलीसिया और व्यक्ति प्रार्थना और वित्तीय सहायता के माध्यम से सेवकाई को सहायता करते हैं। इसलिए, हम पूरे देश में जरूरतमंद गाँवों तक पहुँचने और उन्हें आशीषित करने में सक्षम हैं। जो परिवार हमारा सहयोग करते हैं उन्हें परमेश्वर द्वारा सम्मानित किया जाता है। मैं भारत की समृद्धि के लिए इन दोनों की राज्यों की भागीदारी के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देता हूँ।

कर्नाटक इन राज्यों से सटा हुआ है। हमें उन कलीसियाओं और विश्वासियों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देना चाहिए जिन्हें ईश्वर ने इस स्थिति से उठाया है। कर्नाटक में जो सेवकाई हैं, उन्हें राज्य द्वारा ही समर्थन प्राप्त है और इसलिए राज्य आत्मनिर्भरता तक पहुँच गया है। हम इसके लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं।

कर्नाटक के 31 जिलों में 33,182 गाँव हैं। जिसमें से 6000 गाँवों को आशीषित करने का बोझ परमेश्वर ने हमारे हाथों में दिया है और हम दष्ढ़ योजना और मिशन के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हम चित्रदुर्ग, दावणगेरे, बीदर और बेल्लारी जिलों के 207 गाँवों में काम कर रहे हैं। प्रभु ने 182 बाइबल अध्ययन समूह–97 आराधना समूह और 14 आराधना भवन स्थापित किए हैं। हम 3440 प्रथम पीढ़ी के विश्वासियों के लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं जो ईश्वर का अनुसरण करते हैं। इसके अलावा, आंन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक की सीमाओं पर स्थित सैकड़ों गाँवों में तेलुगु मिशनरियों की पहुँच है।

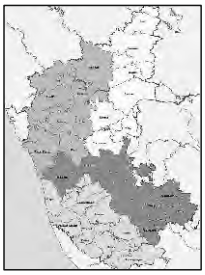

हमने जम्मू से लेकर कर्नाटक तक सेवकाई की ऐसी संरचना की है जो 9 क्षेत्रों में ले जाए जाते हैं। दक्षिण–मध्य राज्यों अर्थात आंन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के लिए सेवकाई का समन्वय केन्द्र बैंगलुरू में कार्य करता है। रेव्ह. ग्रैबिएल गन्टा क्षेत्रीय समन्यक है। रेव्ह.बद्रीनाथ कर्नाटक के राज्य समन्यक हैं। मिशनरी और प्रभु के सेवकगण उनके साथ काम करते हुए कर्नाटक के अपहुँच दुर्गम क्षेत्रों में सुसमाचार को लेकर जा रहे हैं। कृपया उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में शामिल करें।

दक्षिण–मध्य भारत के लिए दर्शन केन्द्रः

विश्ववाणी कार्यालय पिछले 30 वर्षों से श्रीमती अबरनम वर्गीस द्वारा दिए गए घर पर काम कर रहा है, जो हमारे सदस्य/कर्मचारी मैनुएल इया की बहन हैं, जो 1990 के दशक से

बैंगलुरू में काम रहे थे। चूंकि इमारत को बने कई साल हो गए हैं और इसे नवीकरण की आवश्यकता है, इसलिए कर्नाटक के सेवक "कर्नाटक राज्य और दक्षिण–मध्य दर्शन कार्य केन्द्र" के निर्माण की योजना बना रहे हैं।

इस भवन में प्रार्थना कक्ष, कार्यक्षेत्र सम्मेलन कक्ष होगा जहाँ समन्वयक और मिशनरी एक साथ योजना बनायेंगे, ऐसे कमरे जहाँ से मिशनरी और सेवकाई क्षेत्र की विवरण/रिर्पोट तैयार की जाएगी, प्रकाशन और जनसंपर्क के लिए कमरे, मीडिया और ऐसे कमरे जहाँ विकास कर्मचारी आएंगे और हर सप्ताह अपनी सेवकाई सम्बधित विवरण/रिर्पोट सौंपेंगे। यह दक्षिण–मध्य प्रांतों के लिए काम करने वाले सभी 9 विभागों का समन्वय केंन्द्र होगा।

हम निर्माण कार्य का एक बड़ा हिस्सा कर्नाटक के विश्वासीयों के माध्यम से जुटाना चाहते हैं। कृप्या इसके लिए प्रार्थना करें। यदि आप कर्नाटक मे लोगों को जानते हैं, तो कृप्या उन्हें इस उद्देश्य में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। यदि परमेश्वर आपका मार्ग दर्शन करता है, तो कृप्या अपना आर्थिक सहयोग दें।

कर्नाटक में विश्ववाणी प्रशिक्षण केंन्द्र:

कर्नाटक को एक प्रशिक्षण केन्द्र की आवश्यकता है जो 6000 गाँवों को यीशु मसीह के सुसमाचार से आशीष देने के लिए 1200 युवाओं को प्रशिक्षित करेगा। वर्त्तमान में मिशनरियों को चल्लकेरे आराधना भवन के परिसर में प्रशिक्षित किया जाता है। हमने वीराथिप्पन्ना हल्ली में एक एकड़ जमीन खरीदी और पंजीकृत की है जो चल्लकेरे के पास है और हम भवन निर्माण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हम अनुमति पाने के लिए आपकी हार्दिक प्रार्थनाओं का अनुरोध करते हैं। यह परिसर सेवकाई में नये सेवकों (एज्राओं) का प्रशिक्षण,कौशल विकास, बाल देखभाल केंन्द्र, आराधना भवन और सामाजिक विकास परियोजनाओं के लिए फायदेमंद होगा जो ग्रामीणों के मानक स्तर को ऊँचा उठायेगा।

दक्षिण–मध्य और कर्नाटक राज्य में किए जाने वाले सेवकाईयों और उपरोक्त आवश्यकता के लिए प्रार्थना करना और सहयोग करना जारी रखें।

प्रभु आपको और आपके परिवार को बहुतायत की आशीषें प्रदान करें!

"आइए हम पुननिर्माण शुरू करें"। इसलिए, उन्होंने ये नेक काम शुरू किया। (नहेम्याह 2:18)

हैदराबाद
12.10.2023

उसकी सेवकाई में आपका
पी. सेल्वाराज

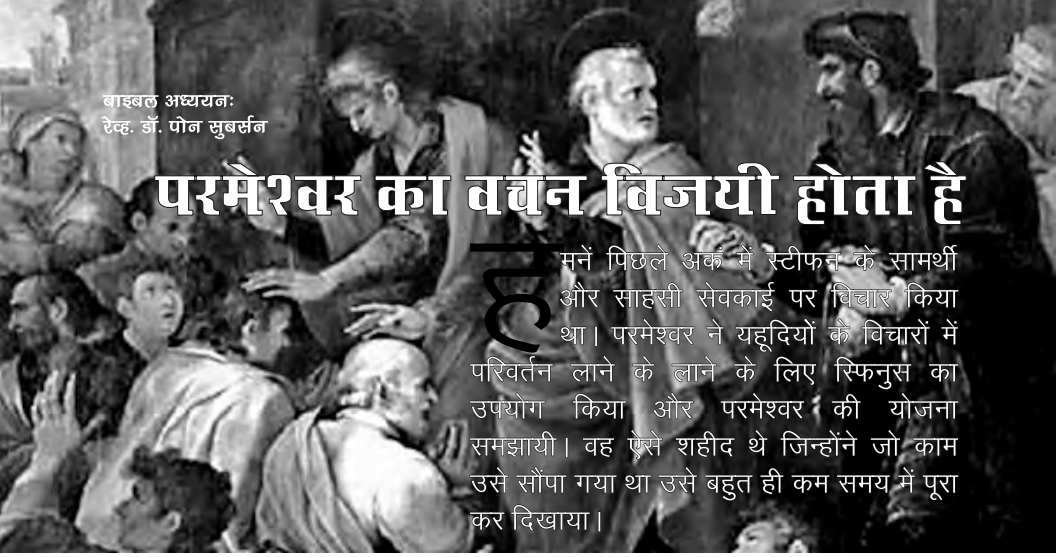

बाइबल अध्ययनः
रेव्ह. डॉ. पोन सुबर्सन

परमेश्वर का वचन विजयी होता है

हमनें पिछले अकं में स्टीफन के सामर्थी और साहसी सेवकाई पर विचार किया था। परमेश्वर ने यहूदियों के विचारों में परिवर्तन लाने के लाने के लिए स्फिनुस का उपयोग किया और परमेश्वर की योजना समझायी। वह ऐसे शहीद थे जिन्होंने जो काम उसे सौंपा गया था उसे बहुत ही कम समय में पूरा कर दिखाया।

हमने पढ़ा कि यरूशलेम में कलीसियाओं को भारी क्लेश का सामना करना पड़ा (प्रेरितों के काम 8)। कलीसिया बिखर गया, और बहुतों को परीक्षाओं का साम्हना करना पड़ा। आइए हम इस पर मनन करें कि कलीसियाओं ने इस स्थिति में क्या किया?

"उस दिन यरूशलेम की कलीसिया पर बड़ा अत्याचार शुरू हो गया" (वचन 1)। जब शाऊल कलीसियाओं को पीड़ा दे रहा था, तब कलीसिया बेतहाशा यातनाओं के दौर से गुजर रहा था। "बिखरे हुए" शब्द का अर्थ है कुछ भी न लाना बेकार बना देना। जिस यूनानी शब्द का प्रयोग किया किया गया है वह है "डायर्स्पाटा" है। इसका मतलब है कि उन्हें दूसरे राष्ट्र में बोया गया था, या उन्हें अन्य राष्ट्र में वितरित किया गया था। इसका कारण सुसमाचार का प्रचार करना था।

वे मसीह को स्वीकार करने के तुरंत बाद विरोधों का साम्हना करने के कारण उदास थे। वे समझ गये की परमेश्वर की योजना विरोधों के बीच भी कायम रहेगी। हम भी इसके पीछे परमेश्वर की योजना को समझ सकते हैं। जिन लोगों को इस बात पर गर्व था कि उन्होंने उन्हें यरूशलेम से बाहर खदेड़ दिया है, उन्हें कभी एहसास नहीं हुआ कि वे सुसमाचार प्रचार करने के लिए बनाये गए हैं। विरोध के दौरान फिलिप का काम हमारे अन्दर एक बड़ा साहस पैदा करता है।

कलीसियाओं की विधवाओं की देखभाल के लिए स्फिनुस के साथ फिलिप्पुस को चुना गया था। वह जानता था कि स्तिफनूस के साथ क्या हुआ था। उन्होंने कभी भी खुद को केवल वही पूरा करने तक सीमित नहीं रखा जो उन्हें दिया गया था। उद्धार के अनुभव ने उन्हें कभी सोने नही दिया। उसने सामरिया में एक शहर चुना और मसीह के प्रेम को प्रचार करने के लिए वहाँ गया। यहाँ के सामरी लोग यहूदियों और अन्यजातियों का मिश्रण हैं। वे मसीह में विश्वास करते थे। वे यहूदि बाइबल की पहली 5 पुस्तकों पर विश्वास करते थे।

यहूदि मसीह को मसीहा मानते थे जबकि सामरी लोग मसीह को ताहेब यानी ताहेब

उद्धारकर्ता या मुक्तिदाता मानते थे। फिलिप्पुस ने उनके मूल विश्वास को मजबूत करने के लिए उन्हें मसीह का उपदेश दिया। उसके द्वारा बहुत से चमत्कार और चिन्ह घटित हुए ओर नगर में बड़ा आन्नद हुआ (पद 8)। प्रेरितों को पता चला कि सामरियों ने सुसमाचार को ग्रहण कर लिया है इसलिए उन्होंने पतरस और यूहन्ना को उनके पास भेजा (वचन 11)। जब वे वहाँ पहुँचे, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनका पवित्र आत्मा द्वारा अभिषेक नहीं किया गया है। जब हम इस भाग को पढ़ेंगें तो कुछ प्रश्नों से भर सकते हैं। प्रेरितों के काम 2:38–42 में सबसे पहले लोगों पर पवित्र आत्मा उंडेला गया था। हमने यह नहीं पढ़ा कि जब चेलों ने हाथ रखे, तो लोगों को पवित्र आत्मा प्राप्त हुआ। लेकिन प्रेरितों के काम 10:44–48 में हम पढ़ते हैं कि जब पतरस ने कुरनेलियुस और उसके परिवार पर अपने हाथ रखे, तो वे लोग पवित्र आत्मा से भर गए। यहाँ हम देखते हैं कि जब प्रेरितों ने उन पर हाथ रखा तो पवित्र आत्मा उनके ऊपर उण्डेला गया।

सामान्यतः यहूदियों को सामरियों के गाँवों में जाना या सामरियों से मिलना–जुलना कभी पंसद नही था। लेकिन सुसामाचार ने उन्हें बदल दिया और उन्हें एक परिवार बना दिया। उन्होंने एक दूसरे को स्वीकार कर लिया। बाइबल विद्वानों का मानना है कि उन्होंने अपने हाथ इसलिए रखे ताकि लोग देख सकें और गवाही दे सकें। सामरियों को पवित्र आत्मा प्राप्त हुई और संत लूका ने यह नहीं बताया कि उसके बाद क्या हुआ। लेकिन जब जादूगर शिमौन ने इसे देखा, तो वह पैसे के द्वारा पवित्र आत्मा को प्राप्त करना चाहता था। बाद में उन्होंने यीशु मसीह को ग्रहण किया और बपतिस्मा लिया।

लूका लिखते हैं कि जब सुसमाचार का कार्य फलेगा–फूलेगा तो शैतान के कार्य कैसे बढ़ेंगे। हम देखते हैं कि हनन्याह और सफीरा को (प्रेरितों के काम 5), विधवाओं (प्रेरितों के काम 6) और शमौन (प्रेरितों के काम 8) का इस्तेमाल शैतान द्वारा किया गया था। इन सबके बावजूद प्रेरित साहसी, जोशीले थे और उन्होंने सही निर्णय लिया। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है। जादूगर ने महान कार्य किए और उच्च तथा निम्न दोनों प्रकार के लोग आश्चर्यचकित रह गए।

बाइबल विद्वान और बिशप आइरेनियस (ए.डी.120–122) ने कहा कि शमौन गलत शिक्षा का जनक था। जस्टिन मार्टर का कहना है कि उनके समय के लोग उन्हें प्रथम देवता कहकर बुलाते थे। पद 10 सही रीति ब्याख्या करता है कि "इस व्यक्ति को सही रूप से परमेश्वर की महान सामर्थ कहा गया"। हालाँकि उसने सुसमाचार सुना और पश्चाताप् किया, फिर भी उसके विचार कभी नहीं बदलें। समाज में उनका प्रभाव अधिक होने के कारण प्रेरितों ने उन्हें नहीं छोड़ा। वे उसे यह चेतावनी देने से कभी नहीं पीछे हटें कि वो पैसे के पीछे हैं। बल्कि उन्होंने साहसपूर्वक बताया कि उसने क्या गलतियाँ की और सजा और चेतावनी दी।

हाँ, प्रियों, अगर हमें कलीसियाओं को विकसित करने की आवश्यकता है, तो विश्वासियों में समस्याओं के बीच सुसमाचार प्रचार करने का साहस होना चाहिए। कलीसिया को गलत शिक्षाओं से बचाने के लिए हमारे पास बाइबल के आधार पर साहस होना चाहिए। धन्य हैं वे जो मसीह के शरीर अर्थात कलीसिया से प्रेम करते हैं। ■

मेरे वचन अपरिवर्तनीय हैं

रेव्ह. इम्मानूएल ग्नानाराज, निर्देशक – प्रेयर नेटवर्क

हर दिन बदलाव हो रहे हैं। जो चीजें कल मौजूद थीं, वे आज नहीं दिखतीं और जो चीजें आज दिखती हैं, वे कल मौजूद नहीं रहेंगी। जो वस्तुएँ दिखाई देती हैं वे लुप्त हो जाती है और जो उत्पन्न होती हैं वे मृत्यु को प्राप्त होती हैं। जो कुछ नया है वह पुराना हो जाता है। इस संसार में कुछ भी ऐसा नही है जो स्थायी हो। मनुष्य के निर्माण से लेकर आज तक जो कुछ भी हम देखते हैं वह नष्ट हो जाएगा। आज हम इस बात पर विचार करने जा रहे हैं कि विनाश के बिना क्या स्थिर रहता है। मनुष्य पिछले जन्म, अगले जन्म और सात जन्मों के बारे में कहता है। परन्तु उसी मनुष्यों को कभी भी नष्ट न होने वाली और शाश्वत चीजों के बारे में पता नहीं चला। उन्होंने कभी भी इसके बारे में अधिक जानने की इच्छा नहीं की। पुराने को जाना होगा और नये को आना होगा। लेकिन इंसान नई–नई चीजों की खोज करता है। यह कितना सच है कि जो हमने कल देखा वह आज कभी नहीं टिकेगा और जो हम आज देखते हैं वह कल कभी नहीं टिकेगा। लेकिन बाइबल हमें ऐसी बातें सिखाती है जो लम्बे समय तक चलने वाली हैं। यह हमें यह भी सिखाता है कि हम अपना हृदय हमेशा के लिए रहने वाली चीजों पर केंन्द्रित करें, न कि नाशवान चीजों पर। यह हमें उन वस्तुओं को विश्वास के माध्यम से देखने के लिए प्रोत्साहित करता है।

हम इब्रानियों 13:14 में पढ़ते हैं "क्योंकि यहाँ हमारा कोई स्थायी नगर नहीं, वरन् हम एक नगर की खोज में हैं" जो आनेवाला है। हम वादा किए गए देश में अजनबियों की तरह हैं। हम तंबू में रहे। क्योंकि हम उस नेव वाले नगर की बाट जोह रहे हैं, जिसका रचयिता और निर्माता परमेश्वर है, ऐसा इब्रानियों 11:9–10 में कहा गया है। इसका मतलब क्या है? जिस लम्बे समय तक चलने वाले जीवन और स्थायी शहर की हम पृथ्वी पर उम्मीद करते हैं, जिसे नष्ट किया जा सकता है, वह अभी आना बाकी है। कैसे? क्योंकि यह परमेश्वर ने पहले ही बता दिया था। यह अविनाशी है, वह कभी नहीं बदलता, वह कभी झूठ नहीं बोलता। परमेश्वर के वचन कभी नहीं बदलते। इसकी पुष्टि यीशु ने मत्ती 24:35 में की है जहाँ वह कहता है,"आकाश और पृथ्वी टल जाएँगें, परन्तु मेरी बातें कभी नहीं टलेंगी"।

वह प्रभु कौन है?

वह वचन है। आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन

परमेश्वर था (यूहन्ना 1:1)। हम इब्रानियों 1:3 में पढ़ते हैं कि "पुत्र परमेश्व की महिमा की चमक और उसके अस्तित्व का सटीक प्रतिनिधित्व है, जो अपने शक्तिशाली वचन से सभी चीजों को संभालता है। पापों के लिए शुद्धिकरण प्रदान करने के बाद, वह स्वर्ग मे महामहिम के दाहिने हाथ पर बैठ गया है। यूहन्ना 1:3 कहता है कि "सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ, और जो कुछ उत्पन्न हुआ है उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई"। हम उत्पति 1:3 में पढ़ते हैं कि "और परमेश्वर ने कहा, उजियाला हो और उजियाला हो गया"। ईश्वर वचन है और वचन में सामर्थ है। भजन संहिता 33:9 उद्घोषणा करता है "क्योंकि जब उसने कहा, तब हो गया, जब उसने आज्ञा दी, तब वास्तव में वैसा ही हो गया" और वह दृढ़ रहा। उसने यह कहते हुए लहरों के लिए भी सीमा बनाई है, "तुम यहीं तक आ सकते हो और इससे आगे नहीं," यहीं वह जगह है जहाँ आपकी गर्व की लहरें रूकती हैं? (अय्यूब 38:11)। बिलाम ने ईश्वर के बारे में कहा कि "ईश्वर मनुष्य नहीं है कि झूठ बोले, मनुष्य नहीं है कि अपना मन बदल लें। क्या वह बोलता है और फिर कार्य नहीं करता? क्या वह वादा करता है और पूरा नहीं करता?" (गिनती 23:19)। उन्होंने जो कुछ कहा वह घटित होगा और वह कभी विफल नहीं होगा।

परमेश्वर द्वारा इब्राहीम से कहे गए वचनः

परमेश्वर ने इब्राहीम ने अपने देश और लोगों को छोड़ने और उस देश में जाने के लिए कहा जो वह दिखाएगा (उत्पति 12)। उसने कहा कि वह उसकी आने वाली पीढ़ी को राष्ट्र देगा 12:7। हमने यहोशू की किताब में पढ़ा कि यह वादा पूरा हुआ। उत्पति 12:3 कहता है कि "पृथ्वी पर सभी लोग तुम्हारे माध्यम से आशीष प्राप्त करेंगे"। हम पुष्टि कर सकते हैं कि यह प्रभु यीशु मसीह के आगमन से पूरा हुआ। हम यूहन्ना 8:56 में पढ़ते हैं कि यीशु ने स्वयं कहा, "तुम्हारा पिता इब्राहीम मेरा दिन देखने के विचार से आन्नदित हुआ, उसने इसे देखा और खुश हुआ"। वह अपने वादे पूरा करता है।

परमेश्वर द्वारा शमूएल को कहे गए वचनः

शमूएल की पहली किताब हन्ना से शुरूआत होती है। लेकिन यह पुजारी एली के बारे में अधिक बात करता है, जिसने अपने बच्चों को परमेश्वर से भी अधिक सम्मान दिया। इसमें बताया गया है कि कैसे परमेश्वर ने उस पुजारी को उसके पद से धकेल दिया। हन्ना बांझ थी और वह मंदिर में प्रार्थना करती थी। पहले दो अध्यायों में कहा गया है कि परमेश्वर ने उसे शमूएल दिया और एली की सहायता के लिए उसे मंदिर में छोड़ दिया गया। लेकिन निम्नलिखित अध्यायों में परमेश्वर

ने बालक शमूएल के साथ जो संदेश दिया वह महत्वपूर्ण है। जो वचन परमेश्वर ने याजक एली के विरूद्ध कहे थे वे शमूएल के बड़े होने पर पूरे हुए। हम 1शमूएल 4 में पढ़ते हैं कि उसके दोनों पुत्र जो परमेश्वर का आदर नहीं करते थे, युद्ध में मारे गए। लेकिन मुख्य पद 3:19 है "शमूएल बड़ा होता गया, और यहोवा उसके संग रहा, और उसने उसकी कोई भी बात निष्फल होने नहीं दी"। हाँ, परमेश्वर के वचन कभी जमीन पर नहीं गिरेंगे। वह अवश्य पूरी होगी।

परमेश्वर द्वारा दाऊद को कहे गए वचनः

हम 1राजा अध्याय 8 से सुलैमान की प्रार्थना पढ़ते हैं, जो पद 23 से शुरू होती है : "हे प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, तेरे तुल्य कोई परमेश्वर नहीं है, न ऊपर स्वर्ग में और न नीचे पृथ्वी पर,तू जो अपने दासों के साथ अपनी प्रेम की वाचा का पालन करता है जो पूरे हृदय से आपके रास्ते पर चलते रहें। तू ने अपने दास मेरे पिता दाऊद से किया हुआ वचन पूरा किया है, तू ने अपने मूँह से वचन दिया है, और अपने हाथ से उसे पूरा किया है, जैसा आज है"। परमेश्वर ने दाऊद से क्या वादा किया था? 1शमूएल अध्याय 7 पढ़ें। यहाँ दाऊद परमेश्वर के लिए एक मंदिर बनाने की इच्छा रखता है और उसने भविष्यवक्ता नातान के माध्यम से उसे उत्तर दिया। हम 2शमूएल 7:12,13 में पढ़ते हैं,"जब तेरी आयु पूरी हो जाएगी, और तू अपने पुरखाओं के संग सो जाएगा, तब मैं तेरे निज वंश को तेरे पीछे खड़ा करके उसके राज्य को स्थिर करूंगा। मेरे नाम का घर वहीं बनवाएगा, और मैं उसकी राजगद्दी को सदैव स्थिर रखूँगा"। हाँ, परमेश्वर ने अपने वचन के द्वारा जो वादा किया है उसे अपने हाथ से पूरा करेगा।

आज परमेश्वर हमारे लिए क्या वचन देता है?

परमेश्वर ने यहोशू से वादा किया,"मैं तेरे संग रहूँगा, मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा और न ही तुम्हें कभी त्यागूंगा" (यहोशू1:5)। परमेश्वर ने यहोशू से प्रतिज्ञा क्यों की? उसे कनान की भूमि विरासत में मिली और आवंटित/निर्धारित की गई। हम वही वादा पढ़ते हैं जहाँ यीशु मत्ती 28:20 में महान आदेश के साथ जुड़ रहे हैं। देखो, मैं जगत के छोर तक तुम्हारे साथ रहूँगा। उसके शब्द कभी नीचे नहीं गिरेंगे, यही वायदा इब्रानियों 13:5 में दोहराया गया है। क्यों? बाहर जाकर सभी राष्ट्रों को अपना शिष्य बनाना। परमेश्वर कभी नहीं बदलता, उनके वचन हमेशा रहेंगे। हम उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए बाध्य हैं। हमें सुसमाचार प्रचार करने के लिए तेजी से दौड़ना चाहिए क्योंकि हम सुसमाचार प्रचार करने के लिए उसके साथ जुड़ गए हैं। क्या हम अपना वादा पूरा कर सकते हैं? ■

कार्यक्षेत्र के समाचार

स्तुति और प्रार्थना

तब उसने अपने चेलों से कहा, पके खेत तो बहुत हैं पर मजदूर थोड़े हैं। इसलिये खेत के स्वामी से विनती करो कि वह अपने खेत काटने के लिए मजदूर भेज दे। मत्ती 9:37-38

जम्मू कश्मीर

परमेश्वर की स्तुति हो: भाई जोगिन्द्र जो प्रभु के प्रेम से दूर थे, उन्होंने प्रभु को स्वीकार किया। इस क्षेत्र में आयोजित युवा कैंप के माध्यम से कई युवाओं ने प्रभु के प्रेम को जाना और 20 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। बहन निर्मला को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला।

प्रार्थना करें: राधनोट और लड्डा आराधना समूह के लिये आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि की आवश्यकता है। धनोदी क्षेत्र के विश्वासी आत्मिक रूप से बढ़ने के लिये। इस क्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से नए सम्पर्क मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

हिमाचल प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति हो: इस क्षेत्र में निरंतर चलने वाली रात्रि सभाओं के माध्यम से कई लोग आशीषित हुये। इस क्षेत्र में बोए गए परमेश्वर के वचन के माध्यम से हमें कई नए सम्पर्क प्राप्त हुये। कार्यकर्ता नीरज जॉन के परिवार को बच्चे की आशीष मिली। सेवकाई के लिये 10 गाँवों को चिन्हित किया गया।

प्रार्थना करें: विश्वासी सनी कुमार की गवाही के माध्यम से कई लोगों का उद्धार होने के लिये। 14 लोग जिन्होंने अपने नए विश्वास को स्वीकार

किया, वे प्रभु के वचन में बढ़ने के लिये। कार्यकर्ता वारिस मत्तू की 11 वर्षीय बेटी जो किडनी की समस्या से ग्रसित हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। नगरोटा सूरियां क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिए भूमि खरीदने के लिए किए गए प्रयासों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

पंजाब

परमेश्वर की स्तुति हो: 40 लोगों ने प्रभु यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। कार्यकर्ता युनास की पत्नी, बहन रेबेका जो डेंगू बुखर से ग्रसित थीं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिली। 14 युवा पूर्णकालीन सेवकाई के लिये आगे आए। खोजियों की सभा के माध्यम से 62 लोगों ने सुसमाचार सुना और अपने पापों का पश्चाताप किया और विश्वासियों की संगति में शामिल हुये।

प्रार्थना करें: 40 लोग जो बाइबल अध्ययन समूह में शामिल हुये हैं, वे विश्वास में दृढ़ होने के लिये। कार्यकर्ता हरमेश सिंह जो डेंगू बुखार के बाद शारीरिक रूप से कमजोर हो गए हैं। इस क्षेत्र में विधवा बहनों के लिये सामुदायिक विकास कार्यक्रम प्रारम्भ होने के लिये। 24 युवा जिन्होंने युवा कैंप के माध्यम से स्वयं को प्रभु यीशु के लिये समर्पित किया, वे परमेश्वर के वचन में दृढ़ होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तराखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: भुड़िया आराधना समूह में बहुत से लोग शामिल हो रहे हैं। 19 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। प्रतीत नगर में आयोजित रात्रि सभाओं के माध्यम से कई लोगों का उद्धार हुआ। खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना।

प्रार्थना करें: बंदिया और बंगचुरी क्षेत्र में सेवकाई के लिये द्वार खुलने के लिये। बपतिस्मे के लिये तैयार लोगों के लिये। पौरी गढ़वाल और टिहरी गढ़वाल में सेवकाई प्रारम्भ होने के लिये। कुमांऊनी और थारू जनसमूह के मध्य से पूर्णकालीन सेवक मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

हरियाणा

परमेश्वर की स्तुति हो: पूर्णकालीन सेवकाई के लिये 2 युवाओं को चिन्हित किया गया। सुभम और राजू को सुसमाचार के माध्यम से नशे से छुटकारा

मिला। 2 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में पूर्णकालीन सेवक मिलने के लिये। इस प्रांत में सुसमाचार सुनने वाले लोग परमेश्वर के वचन में बढ़ने के लिये। इस कार्यक्षेत्र में आयोजित सभाओं के माध्यम से सेवकाई फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

राजस्थान

परमेश्वर की स्तुति हो: 23 वर्षीय कमल जो बोलने में असमर्थ थे, प्रभु यीशु के नाम में वे बोलने में सक्षम हुये। 52 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। अभापुरा आराधना समूह में बोए गए परमेश्वर के वचन के माध्यम से वहाँ शामिल होने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हो रही है। जगता रावत क्षेत्र में भाई भूरा का परिवार शान्ति का पात्र है।

प्रार्थना करें: बहन सीमा जो मानसिक रूप जो मानसिक रूप से बीमार हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। भूराकुआ क्षेत्र का आराधना भवन का निर्माण कार्य पूनः प्रारम्भ होने के लिये। सबलपुरा क्षेत्र में सेवकाई के लिये द्वार खुलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश – भोजपुरी प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: 37 महिलाऐं जिन्होंने अपनी सिलाई कक्षाएं पूरी की। प्रभु ने हमें 5 गाँव में आराधना समूह प्रारम्भ करने में सक्षम बनाया। 78 गाँव में जागरूकता कैंप आयोजित किया गया। खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने अपने पापों का पश्चाताप किया।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में सेवकाई फलवंत होने के लिये। बसारथपुर के ग्रामीण जो डेंगू बुखार से ग्रसित हैं, उन्हें चंगाई मिलने के लिये। 100 गाँव में चिकित्सा कैंप आयोजित होने के लिये। विश्वासी श्यामलाल और शीतल देवी और उनके परिवार की आत्मिक उन्नति के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

बिहार

परमेश्वर की स्तुति हो: आत्माओं की कटनी के प्रशिक्षण के माध्यम से कई विश्वासीजन लाभान्वित हुए। 3 क्षेत्रों में आयोजित एज्रा कैंप के माध्यम से पूर्णकालीन सेवकाई के लिये कई युवाओं को चिन्हित किया गया। इस क्षेत्र में कई लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया और परमेश्वर के

प्रेम को बाँटने के लिये सबसे आगे खड़े हैं। 208 गाँव में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों के साथ सुसमाचार बाँटा गया।

प्रार्थना करें: मगही जनसमूह के मध्य आयोजित होने वाले मेले की तैयारियों के लिये। 5 जिलों में सिलाई कक्षाएं और सामाजिक विकास कार्य प्रारम्भ करने के लिए किए गए प्रयासों के लिये। जहाँ विश्वासियों की संख्या बढ़ रही है वहां आराधना भवन के निर्माण के लिये। बपतिस्में के लिये तैयार लोगों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

झारखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: भाई रामदेव महतो ने अंधकार के कार्यों छोड़ दिया और प्रभु के विश्वास में बढ़ रहे हैं। डिंबा और भरनो गाँव के लोग परमेश्वर के वचन में रूचि ले रहे हैं। नवाटोली प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित 26 युवाओं के लिये प्रभु की स्तुति हो। सल्गा गाँव में आयोजित विशेष सभा में शामिल होने वाले लोग प्रभु के विश्वास में बढ़ रहे हैं।

प्रार्थना करें: 30 लोग जिन्होंने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया वे आत्मिक उन्नति में बढ़ने के लिये। हारूप क्षेत्र में आयोजित मेले के माध्यम से सेवकाई फलवंत होने के लिये। नवादा गाँव दिखे जाने वाला दुष्ट का कार्य दूर होने के लिये। दुमका क्षेत्र में आराधना समूह प्रारम्भ करने के लिए किए गए प्रयासों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

मध्य प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति हो: 19 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। कुंडलिया भाई को प्रभु यीशु के नाम में दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला। 6 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया जिनके माध्यम से हमें नए सम्पर्क प्राप्त हुए।

प्रार्थना करें: विश्वासी अमर सिंह और उनके परिवार की गवाही के माध्यम से बहुत से लोगों का उद्धार होने के लिये। तुलरा क्षेत्र में सेवकाई प्रारम्भ होने के लिये। बपतिस्मे के लिये तैयार लोगों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

पश्चिम बंगाल – कूचबिहार जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: कोहिनूर क्षेत्र में निरंतर प्रार्थनाओं के द्वारा बच्चों की सेवकाई में बढ़ोतरी हुई। महादो लाइन क्षेत्र के 17 नए लोगों को पहली बार

सुसमाचार को सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। भीम महली को निरंतर प्रार्थनाओं के माध्यम से अज्ञात बीमारी से चंगाई मिली। बारालाइन गांव में बोए गये सुसमाचार के माध्यम से 32 लोग लाभान्वित हुए।

प्रार्थना करें: मैनाबारी क्षेत्र के 70 लोगों को सुसमाचार सुनने का अवसर प्राप्त हुआ, उनका उद्धार होने के लिये। भाई राम प्रसाद के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। खौचांदपारा क्षेत्र में सुसमाचार सुनने वाले लोगों के उद्धार होने के लिये। भाई निरंजा कार्जी के माध्यम से अनेकों लोग आशीषित होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

पश्चिम बंगाल – दार्जिलिंग जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: गार दमाद क्षेत्र के निवासी पर्तिमा ओरांव के परिवार औरों के लिए शांति का पात्र बने। भाई सोवा ने प्रभु की सेवकाई के लिए अपने घर का द्वारा खोला। जोरागच क्षेत्र में खुले रूप से आयोजित सभा में 15 लोगों को सुसमाचार सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। खोजियों की सभा के माध्यम से 30 लोगों ने प्रभु का वचन सुना।

प्रार्थना करें: बिरागी, मिर्ची डांगी और पेटकी क्षेत्र में सेवकों की आवश्यकता के लिए। थानझोरा क्षेत्र में नए आराधना भवन के निर्माण के लिए। बारालाइन में मौजूद क्षेत्र के आराधना भवन के विश्वासियों की आत्मिक उन्नति के लिये। दार्जिलिंग जिले के ओरांव, संथाली और सादिरी जनसमूहों के मध्य से पूर्णकालिक कार्यकर्ता मिलने के लिए प्रार्थना करें।

पश्चिम बंगाल – कोलकाता

परमेश्वर की स्तुति हो: बुनियादपुर और मुर्शिदाबाद में आयोजित एज्रा कैंप के माध्यम से 25 युवा पूर्णकालिक सेवकाई के लिए आगे आए। प्रार्थनाओं के माध्यम से 21 लोगों ने प्रभु यीशु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया। पुरुलिया और पंचकुनिया में आयोजित सुसमाचार शिविरों के माध्यम से नए संपर्क प्राप्त हुए। 9 जिलों के 25 गांवों में आयोजित चिकित्सा शिविरों और स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रमों का सफलतापुर्वाक आयोजन किया गया।

हमारे सेवकाई क्षेत्र में दिसंबर 2023 के यीशु मसीह के जन्म पर आधारित विशेष कार्यक्रम "गोस्पल एरेना" द्वारा हम लाखों बच्चों से मिलने को तैयार हो रहे हैं।
"यीशु, जो बच्चों की चिन्ता/परवाह करते हैं, हमारे छोटे प्रयास स्वर्गीय महिमा के लिए बड़ा परिणाम लाएँ"।

प्रार्थना करें: लक्ष्मोंडा और चंदखुरी में प्रभु की सेवकाई के विस्तार के लिए। खंडारुई क्षेत्र के आसपास के गांवों में सुसमाचार प्रचार होने के लिए प्रार्थना करें। कॉर्नेलियस की पत्नी जो अक्सर बेहोश हो जाती हैं, उनकी चंगाई के लिए, कृपया प्रार्थना करें।

सिक्किम

परमेश्वर की स्तुति हो: सैमडोंग कार्यक्षेत्र में हुए संगति में 2 नए परिवार शामिल हुए। भाई यूसुफ राय और रेबिका राय को प्रभु ने बच्चे की आशीष दी। भाई एनोस अधिकारी के परिवार, जो तारेथांग ग्राम की सेवकाई में शांति के पात्र है। 2 लोगों ने लोअर गानचुंग क्षेत्र में प्रभु यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: कैजाले क्षेत्र में अस्थायी आराधना केंद्र के निर्माण के लिए प्रार्थना करें। भाई जय बहादुर राय के द्वारा उनका समस्त परिवार प्रभु यीशु के प्रेम को जानने के लिए। तपोंग गांव में सुसमाचार सुनने वाले लोगों के लिए। चुंगथांग क्षेत्र में बांध टूटने के कारण आई बाढ़ में जिन्होंने अपना जीवन खो दिया, उनके परिवार की सांत्वना के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

असम

परमेश्वर की स्तुति हो: 4 लोगों ने प्रभु यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। फरसुबारी गाँव में नए आराधना भवन का निर्माण किया गया। चारिघोरिया गांव में 9 लोगों को सुसमाचार सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। डेग्रानाला क्षेत्र में नया बाइबल अध्यन समूह प्रारम्भ किया गया।

प्रार्थना करें: नालिखोल बसुमतारी के परिवार के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। दोल्हापारा क्षेत्र में बोए गए परमेश्वर का वचन फलवन्त होने के लिए। कालियाचुक और तकरचुक में नए आराधना भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के लिए। भाई सुगुनसथ को नशे से छुटकारा मिलने के लिए।

मणिपुर

परमेश्वर की स्तुति हो: भाई राजेश और बहन पूजा चन्नू का परिवार जो कई समस्याओं के मध्य भी प्रभु की आराधना कर हैं। भाई तेलन सिंह जो पिछले तीन महीनों से हृदय की समस्या से ग्रसित थे, प्रार्थनाओं के द्वारा उन्हें चंगाई मिली। 10 गाँव में खोजियों की सभाओं का आयोजन किया गया।

मणिपुर में 308 बाइबल अध्ययन समूहों के लिए, जिसमे 129 बाइबल अध्यन समूह बुजुर्गों के द्वारा संचालित किया जा रहा है।

प्रार्थना करें: लैमाराम और हेइनौकबोक क्षेत्र में आयोजित होने वाले बप्तिस्मा सभा के लिए प्रार्थना करें। टोरबुंग गांव के निवासी जिन्होंने सुसमाचार सुनने के माध्यम से पश्चताप किया। मणिपुर में शांति, भाईचारा, प्रेम और एकता के लिए, कृपया प्रार्थना करें।

त्रिपुरा

परमेश्वर की स्तुति हो: 10 युवा, जो पूर्णकालिन सेवकाई में शामिल होने के लिए आगे आए। कामी मैदान में आयोजित नेत्र शिविर के माध्यम से कई लोग लाभान्वित हुए। बहन खंजनबती जो दुष्टात्मा के चंगुल में थीं प्रार्थनाओं के द्वारा उन्हें छुटकारा मिला। 13 लोगो ने मसीह के सुसमाचार सुनने के माध्यम से प्रभु में विश्वास किया।

प्रार्थना करें: त्रिपुरा के विभिन्न क्षेत्र में 8 आराधना भवनों का निर्माण कार्य के पूरा होने के लिए। बप्तिस्मे के लिए तैयार लोगो के लिए। दुर्गापुर और बिरचन कामी क्षेत्र में आयोजित होने वाले खोजियों की सभाओं के लिए। सीकर पारा गाँव ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पेयजल और सड़क सुविधाएं प्राप्त होने के लिए, कृपया प्रार्थना करें।

ओडिशा – हो, संताली प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: 10 आराधना भवनों के निर्माण कार्य के लिए। 24 लोग जिन्होंने प्रभु यीशु में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। 20 लोग जिन्होंने अपने पापों का पश्चाताप किया और विश्वासियों की संगति में शामिल हुए। 7 गाँवों में उपवास प्रार्थना सभाएं प्रारम्भ की गयी।

प्रार्थना करें: बोलानी और बारबिल क्षेत्र में प्रभु की सेवकाई में नए संपर्क प्राप्त होने के लिये। हो और संताली समूहों के मध्य सेवकाई के लिये, 20 युवाओं के लिये प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के लिये। डुमुरिया और एडेल साही क्षेत्र में प्रभु की सेवकाई के लिए द्वार खुलने के लिये। बैदाबाजा और बैगनपाल में पूर्णकालीन सेवक मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

ओडिशा – परलाखेमुंडी

परमेश्वर की स्तुति हो: गोलांदा क्षेत्र में आयोजित सुसमाचार सभा के

माध्यम से 21 लोगों ने प्रभु के प्रेम को जाना। खिलमुंडा विश्वासियों की संगति के माध्यम से 5 लोगों ने प्रभु यीशु में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। डोलामा और लोबागुडा के लोग प्रभु के वचन में रूचि ले रहे है। राडारडिसिंगी क्षेत्र में आयोजित आराधना समूह के माध्यम से 5 लोगों ने प्रभु को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: हिकिरीगुड़ा गाँव के ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में उन्नति होने के लिये। पेदागुडा में आराधना भवन निर्माण कार्य पूरा होने के लिए। नौली और हुंडालिजुली गोवों में निरंतर चलने वाली खोजियों की सभा के माध्यम से परमेश्वर का वचन फलवंत होने के लिये।

ओडिशा – कंधमाल जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: 4 गाँवों में बाइबल अध्ययन समूह प्रारम्भ किया गया। संजन दिगल को प्रार्थनाओं के माध्यम से दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला। तिलकी और बंदुली क्षेत्र के विश्वासियों ने नए आराधना भवन के निर्माण के लिए अपनी भूमि दान की। 20 लोगों ने प्रभु में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: महासिंगी और पदापाड़ा में नए आराधना भवन के निर्माण के लिए। भाई आलोक नायक, जिनका पैर एक सड़क दुर्घटना के बाद फ्रैक्चर हो गया है, उनकी चंगाई के लिए। चकापाड़ा और फुलबानी क्षेत्र में पूर्णकालीन सेवकों की आवश्यकता के लिये। 320 लोग जो पहली बार खोजियों की सभा में शामिल हुए, वे विश्वास में बढ़ने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

ओडिशा – संबलपुरी

परमेश्वर की स्तुति हो: प्रभु ने बहन रंजन सुना के छोटे बेटे को जहरीले कीड़े के काटने से बचाया। बरीखामा गांव में भाई अजीत गोंडा के परिवार के द्वारा सुसमाचार फलवंत हो रहा है। 15 लोगो ने प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: बौध जिले में सेवकाई के लिये क्षेत्र सर्वेक्षण निरंतर चलने के लिये। कंकला गांव के लोग सुसमाचार पर विश्वास करने के लिए। सदीपुर क्षेत्र के लोगों के हृदय में पवित्र आत्मा कार्य करने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – रायपुर प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: भाई उमेश धीवर जिन्होंने सुसमाचार सुनने के बाद शराब न पीने का निर्णय लिया। 19 क्षेत्रों में स्वच्छता विषय पर जागरूकता कैंप आयोजित किया गया। अभनपुर और मंदिर हसौद क्षेत्र में आत्माओं की कटनी के लिये प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बहन अंजू यादव के परिवार को प्रार्थनाओं के माध्यम से बच्चे की आशीष मिली।

प्रार्थना करें: भाई वीरेंद्र टंडन जो मानसिक रूप से बीमार हैं, उन्हें चंगाई मिलने के लिये। बलौदा बाजार जिले के गांवों में चिकित्सा शिविर आयोजित करने के प्रयासों के लिए। विश्वासी नीलम और राधिका की गवाही के माध्यम से उनका समस्त परिवार परमेश्वर के प्रेम को जानने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – चाँपा प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: पेटला आराधना समूह में 5 परिवार शामिल हुये। इस क्षेत्र में कई लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना। गीता बरवा ने पश्चाताप किया और परमेश्वर की संतान बन गईं। 11 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: 20 नए कार्यकर्ता जो प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। सेवकाई के लिये साइकिल की आवश्यकता है। भाई सुरित को शराब से छुटकारा मिलने के लिये। कुलीपोटा गाँव में प्रभु की आराधना प्रारम्भ होने के लिये। तेंदू भाटा में निरंतर चलने वाली खोजियों की सभा में नयी आत्माऐं शामिल होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

राष्ट्रों की शांति के लिए प्रार्थना करें!

इस्राएल–गाजा और रूस–यूक्रेन युद्ध में पीड़ित लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। उन लोगों के शांति के लिए भी प्रार्थना करें जिन्होंने अपनी जान और संपत्ति खो दी है। प्रभु की मध्यस्थता के लिए बिना रूके प्रार्थना करें, जिसके पास युद्ध को समाप्त करने की शक्ति है। सभी राष्ट्रों के बीच प्रेम,शांति और सद्भावना के लिए प्रार्थना करें।

सेवा के लिए सम्पर्क करें

JAMMU: Vishwa Vani, C/o Ashirwad Bhawan, H.NO. 165, Lane-2, Christian Colony, New Plot, Jammu-180005. Mobile No- 9469289692, 9419287712.

PUNJAB/HP: Vishwa Vani, C/o Dr. Sony Astha Dental lab, 2-A, Ward No-13, Dev Nagari, Near Hossana Church, Behind Dr. Rajpal Hospital Camini, Pathankot, Punjab- 145001, Mobile No-9915651260.

UTTRAKHAND: Vishwa Vani, Vill. Gorakhpur Aarkediya Grant, Christian Colony Near Methodist Church Water Tank, P.o Badowala Prem Nagar, District Dehradun, Uttarakhand - 248007, Mobile: 9557968104.

DELHI: Vishwa Vani, F-11, First Floor, Vishwakarma Colony, M.B. Road, New Delhi - 110044, Ph: 0129- 4838657; Mobile No: 9910762447.

UTTAR PRADESH: Vishwa Vani, Raj Villa 11/32/1 Indira Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh - 226016 Mobile No- 8687951286.

UTTAR PRADESH: Vishwa Vani, C/o Vivek Singh (Advocate), H.No-D-65/423, C-8, Rana Nagar Colony, Near Scion Public School, Lagaratara, Varanasi, Uttar Pradesh-221002, Mobile No: 8115123799

RAJASTHAN: Vishwa Vani, Mission Compound, Banswara, Rajasthan - 327001, Mobile No- 9414725164.

RAJASTHAN: Vishwa Vani, C/o Abhram Ninama, 29, Jaldarshan Complex, Sanjay Park, Rani Road, Udaipur, Rajasthan - 313001, Mobile No-9602385024.

MADHYA PRADESH: Vishwa Vani, 2/6-A, Sarvajan Colony, Akbarpur Nayapura, Kolar Road,Bhopal, Madhya Pradesh - 462042, Mobile No - 9770252588.

MADHYA PRADESH: Vishwa Vani, C/o Mrs. Neena singh, 146 M.C.I. Colony, Near Anchal Vihar Katanga, Jabalpur, Madhya Pradesh - 482001, Mobile: 7722916665.

BIHAR: Vishwa Vani, CA/59, Near Malahi Pakri Chowk, PC Colony, Kankarbagh, Patna, Bihar-800020, Mobile No- 9110966419; 9337652667.

JHARKHAND: Vishwa Vani, C/o Kachhap Niwas, Bodra Lane Nayatoli. H.B.Road,Ranchi, Jharkhand - 834001. Mobile No-9431927472; 7909013933.

CHATTISGARH: Vishwa Vani, H.No. D- 4, Shatabadi Nagar, Telibandha, Post- Ravi Gram, Raipur 492006, Chhattisgarh, Mobile No. 9826452343, 7879125657.

CHATTISGARH: Vishwa Vani, Thomson Villa, H.NO-58, Ward No-17, Mission Road Bhojpur, Champa, Dist-Janjgir-Champa, Chhattisgarh - 495671, Mobile No:7987020083; 9926176754.

जनजातीय मामलों का मंत्रालय विशेषरूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पी.वी.टी.जी.एस) की पहचान उन जनजातीय समुदायों के रूप में करता है जो तकनीकी रूप से अति पिछड़े हैं, कम साक्षरता दर, स्थिर या घटती जनसंख्या वृद्धि और निर्वाह स्तर की अर्थव्यवस्था वाले हैं।

आवास अधिकार मान्यता कमजोर जनजातीय समुदायों को उनके पारंपरिक क्षेत्रों, सामाजिक–सांस्कृतिक प्रथाओं, आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों के पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार प्रदान करके सशक्त बनाती है।

जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पी.वी.टी.जी.एस) में से केवल तीन को आवास अधिकार प्रदान किए गए हैं। मध्य प्रदेश में भारिया विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह पहले थे, उसके बाद कमार जनजाति और अब छत्तीसगढ़ में बैगा जनजाति है।

छत्तीसगढ़ राज्य में सात विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह का घर है। जो राज्य के 33 जिलों में से 17 में रहते हैं। इन जनजातियों में कमार, बैगा, पहाड़ी, कोरबा, अबूझमाड़िया, बिरहोर, पंडो और भुजिया शामिल हैं।

हे परमेश्वर, संसार की सभी जातियों और नस्लों को "अनन्त उपहार" मिले।

विश्व बैंक द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि 1985 के बाद से दुनिया के सबसे जोखिम भरे बाढ़ क्षेत्रों में मानव बस्ती बसने की 122 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे जलवायु परिवर्तन के कारण जल–संम्बधित आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ गई है।

हे प्रभु, बढ़ती जनसंख्या के अनुसार सुरक्षित आश्रय प्रदान करें!

महिमा में प्रवेश किया

भाई स्टेनली अब्राहम (56 वर्ष) 3 अक्टूबर को अन्नत विश्राम में प्रवेश कर गयें। वह सुसमाचार प्रचार के लिए पहाड़ों पर चढ़ गए, विश्वासियों और आराधना भवनों का दौरा किया, प्रार्थना और सेवकाई का सहयोग पाने और जुटाने के लिए उन्होंने दर्शन और उद्देश्य को लोगों क साम्हने वर्णन किया।

हम भाई द्वारा केरल के पीरमेडु क्षेत्र से कार्य क्षेत्रों की ओर विश्वासियों की नजरें केन्द्रित करने, कलीसिया और परमेश्वर के लोगों को एकजुट करने के लिए उनके द्वारा किए गए समर्पित सेवकाई को याद करते हैं ताकि मिशनरियों और कार्य क्षेत्रों में आराधना भवन/कलीसियाओं की संख्या बढ़ सकें। हम अन्य क्षेत्रों में परिवर्तन लाने के लिए उनके द्वारा बहाए गए पसीने और आंसुओं को याद करते हैं। हम श्रीमती लता स्टेनली और उनके तीन बेटों, डैनिसन अब्राहम, सैम और जिम और पीरमेडु में सेवकाई के भागीदारों की सांत्वना के लिए प्रार्थना करते हैं।

कोकबोरोक भाषा में पवित्र बाइबल की छपाई के लिये प्रार्थना करें

त्रिपुरा में बोली जाने वाली कोकबोरोक भाषा में पवित्र बाइबल की छपाई के लिए प्रार्थना करें। कोकबोरोक पवित्र बाइबल में कुल 2503 पृष्ठ हैं, जिसमें पुराने नियम में 1903 पृष्ठ और नए नियम में 600 पृष्ठ हैं। हम पहले संस्करण में 10,000 बाइबल छापने की योजना बना रहे हैं। कृप्या इसके लिए प्रार्थना करें। कृप्या त्रिपुरा क्षेत्र के कोकबोरोक विश्वासीयों को 10 बाइबल व 300 रूपये का दान देकर इस क्रिसमस में उपहार के रूप में दें।

ऑनलाइन दान करें

Bank : State Bank of India
A/C No. : 10151750252
Branch : Amanjikarai, Chennai - India.
A/C Name: VISHWA VANI
IFS Code : SBIN0003273
Please update us with transaction detail
Contact 9443127741, 9940332294

UPI ID
vvadmin@sbi
UPI Name:
VISHWAVANI

RNI REGD. NO. RN. 45019/89 | POSTAL REGD. NO. HQ/SD/180/2021-2023 - HINDI | DATE OF PUBLICATION 22.10.2023
LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT - PMG/TS/HQR/SC-02/WPP/2021-2023
Return Requested: VISHWAVANI SAMARPAN
1-10-28/247, Anandapuram,
ECIL Post, Hyderabad-500062.

VANDUVA, A.P. - 17.09.23

RUNDIYA, GUJARAT - 25.09.23

FERSUABARI, ASSAM - 24.09.23

SINGIJHORA, WEST BENGAL - 01.10.23

MAHASINGI, ODISHA - 24.09.23

SIVARAMPURAM, A.P. - 01.10.23

IPPAMANUGUDA, A.P. - 24.09.23

PANDRIVALASA, A.P. - 01.10.23

RANMOCHAN, MAHARASHTRA - 25.09.23

प्रभु यीशु मसीह
की स्तुति हो क्योंकि उसने
9 कार्यक्षेत्रों में
आराधना भवन दिए

VISHWA VANI SAMARPAN - HINDI LANGUAGE
Printed and Published by P. Selvaraj on behalf of VISHWA VANI, a registered society (Regn. No.17871 of 1987) and printed at CAXTON Offset Pvt. Ltd., 11-5-416/3, Red Hills, HYD-04. and published at 1-10-28/247, Anandapuram, ECIL Post, HYD-62. **POSTING DATE: 25.10.2023**. EDITOR: P. SELVARAJ.